सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 31 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 14 नवंबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सीएम भूपेश बघेल का बड़ा ऐलान सरकार बनी तो बनेंगे दो नए संभाग

कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंटपुर में आमसभा को संबोधित करते हुए की घोषणा, रायगढ़ व कोरिया बनेंगे नए संभाग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा चुनाव से तीन दिन पहले बड़ी घोषणा की है। सीएम बघेल ने छत्तीसगढ़ में दो नए संभाग बनाने का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो राज्य में दो नए संभाग बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की अगली सरकार प्रदेश में बनी तो कोरिया और रायगढ़ को नया संभाग बनाया जाएगा। आमसभा में सीएम ने कहा कि आप कांग्रेस की सरकार बना दीजिए, मेरा आपसे वादा है कि प्रदेश में दो नए संभाग बनाए जाएंगे। शर्त बस यह है कि कांग्रेस को जीत दिलानी है।

बता दें प्रदेश में 5 संभाग हैं। सीएम ने कहा दो नए संभाग बनाएंगे। वहीं संभाग की घोषणा होते ही बैकुंठपुर वासियों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बैकुंठपुर से कांग्रेस की प्रत्याशी अंबिका सिंहदेव ने मुख्यमंत्री बघेल से बैकुंठपुर को संभाग बनाने की मांग रखी थी। इसके बाद भूपेश बघेल ने दो नए संभाग का ऐलान किया है। सीएम बघेल ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर पोस्ट शेयर कर लिखा है- 'सब जानते हैं कि पहले चरण में कांग्रेस 17 से अधिक सीट जीत रही है. दूसरे चरण में आपका वोट 75 पार के नारे को सार्थक करेगा. कांग्रेस सरकार बनते ही कोरिया और रायगढ़ को संभाग बनाने की मैं घोषणा करता हूं।

कांग्रेस सरकार ने अपना हर वादा पूरा किया

सीएम सोमवार की शाम 7 बजे कोरिया जिला मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान सीएम बैकुंठपुर के मौहारी मैदान में आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार ने अपना वादा पूरा किया है। चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य या किसानों का मुद्दा हो। कांग्रेस की सरकार ने हर वादे को पूरा किया है। साथ ही सीएम ने गृह लक्ष्मी योजना, उज्ज्वला योजना समेत प्रदेश की उपलब्धियां गिनाते हुए केंद्र की कमियां भी गिनाई।

महिलाओं को मिलेंगे साल के 15000 रुपए

इससे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गृहलक्ष्मी योजना को लागू करने का भी वादा किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ कांग्रेस की सरकार बनने पर महिलाओं को गृहलक्ष्मी योजना के तहत हर साल 15 हजार रुपए दिए जाएंगे। सीएम भूपेश बघेल की इस घोषणा से भाजपा के महतारी वंदन योजना का तोड़ मिल गया। कांग्रेस इस योजना का प्रचार भी जोर शोर से कर ही है। सीएम भूपेश बघेल ने बैकुंटपुर में आमसभा के दौरान भी इस योजना का जिक्र किया।

कांग्रेस को मिल सकता है लाभ

कोरिया क्षेत्र में तीन विधानसभा क्षेत्र आते हैं। जिसमें मनेंद्रगण, भरतपुर-सोनहत और बैकुंठपुर शामिल है। यह वो विधानसभा सीटे है जिसे कांग्रेस ने पिछले चुनाव में जीता था। कोरिया को संभाग बनाए जाने के ऐलान के बाद यहां के मतदाताओं में खुशी का माहौल है और संभावना जताई जा रही है कि इस बार भी इन सीटों पर कांग्रेस को फ़ायदा मिलेगा। रायगढ़ को संभाग बनाने के साथ बिलासपुर संभाग की ज्यादा से ज्यादा सीटों पर कांग्रेस को फ़ायदा मिल सकता है। रायगढ़ व कोरिया को संभाग बनाए जाने की घोषणा का कांग्रेस को कितना लाभ होगा यह चुनाव परिणाम आने के बाद पता चल पाएगा।

आरोपी को मौत की सजा, बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले में विशेष अदालत ने सुनाया फैसला

कोच्चि (एजेंसी)। अलुवा दुष्कर्म और हत्या मामले के आरोपी को मौत की सजा सुनाई गई। केरल की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए फैसला सुनाया है। विशेष अदालत में न्यायाधीश के. सोमन मामले की सुनवाई कर रहे थे। बता दें बिहार की रहने वाली पांच वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म कर हत्या कर दी गई थी। आरोपी को पॉस्को एक्ट के तहत सजा सुनाई गई। आरोपी को सजा सुनाए जाने के वक्त पीड़िता के माता-पिता अदालत में मौजूद थे। अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि मामला दुर्लभ श्रेणी में आता है और इसलिए दोषी को मौत की सजा दी जानी चाहिए। अभियोजन पक्ष ने बताया था कि सजा पर बहस के दौरान आलम ने अदालत में दावा किया था कि अन्य आरोपियों को छोड़ दिया गया था और केवल उसे ही मामले में पकड़ा गया था। इसके अलावा उसने कोई अन्य दलील नहीं दी थी।

बता दें अदालत ने आरोप पत्र में आरोपी आलम को सभी 16 अपराधों का दोषी पाया था। अभियोजन पक्ष ने कहा था 16 में से पांच अपराधों में मौत की सजा है। आरोपी ने 28 जुलाई को बच्ची का अपहरण कर दुष्कर्म किया और बाद में गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। बच्ची का शव आरोपी ने अलुवा स्थित एक इलाके में फेंक दिया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया था।

भीषण सड़क हादसा: तेज रफ्तार कार ट्रक से टकराई, छह दोस्तों की दर्दनाक मौत

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने कार सवार लोगों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिए। जानकारी के अनुसार दिल्ली-देहरादून हाईवे पर छपार के निकट हुए हादसे में शाहदरा निवासी छह दोस्तों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान कराने के बाद परिजनों को सूचित कर दिया गया है। मंगलवार सुबह करीब 4 बजे एक 22 टायरा ट्रक संख्या PB10ES 6377 मुजफ्फरनगर से हरिद्वार की ओर जा रहा था। यहां छपार के निकट सियाज कार नंबर DL2CBD/8302 पीछे से ट्रक में घुस गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई।

हाईवे से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। कार में चालक समेत छह लोग सवार थे। क्रेन की मदद से गाड़ी को ट्रक के नीचे से निकलवाया गया। कार में सवार सभी छह लोगो की मौत हो गई है। पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा दिए है।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार का बड़ा कदम, भर्ती परीक्षाओं में हिजाब पर बैन; मंगलसूत्र को अनुमति

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक एग्जामिनेशन अथॉरिटी ने बड़ा कदम उठाते हुए भर्ती परीक्षाओं में सभी प्रकार के हेड कवर को बैन कर दिया है। कर्नाटक में लंबे समय से चल रहे हिजाब विवाद के बीच यह सरकार का बड़ा फैसला है। अथॉरिटी ने परीक्षा के दौरान नकल को रोकने के लिए ब्लूटूथ इयरफोन, मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। हालांकि इस आदेश में मंगलसूत्र और बिछुओं पर बैन को लेकर कुछ नहीं कहा गया है।

जानकारी के मुताबिक परीक्षा हॉल में मंगलसूत्र और बिछुए पहनकर जाने की इजाजत होगी। अथॉरिटी की तरफसे जारी आदेश में कहीं हिजाब का नाम अलग से नहीं लिखा गया है। हालांकि हेड कवर बैन में हिजाब खुद ब खुद शामिल हो जाता है। बता दें कि 18 और 19 नवंबर को राज्य में कई भर्ती परीक्षाएं आयोजित होनी हैं। ऐसे में सरकार का यह फैसला बड़ा मायने रखता है। केईए के आदेश में कहा गया है, सिर पर कोई कपड़ा, टोपी या फिर हेड कवर, या फिर फेस कवर को परीक्षा हॉल में अनुमति नहीं दी जाएगी। बता दें कि केईए ने अक्टूबर में हुई परीक्षाओं में हिजाब को अनुमति दे दी थी। वहीं कई जगहों से मंगलसूत्र को लेकर विवाद सामने आया था।

बीते दिनों कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमिशन के दौरान सामने आया था कि कुछ लड़कियों को एग्जामिनेशन हॉल में जाने देने से पहले मंगलसूत्र हटाने को कहा गया था। अधिकारियों ने जांच के दौरान गले कि चेन, बिछुए और झुमके भी निकालने को कहा था। वहीं कुछ स्टूडेंट्स को मंगलसूत्र उतारने के बाद ही परीक्षा हॉल में प्रवेश दिया गया। इसके बाद भाजपा ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर सवाल उठाए थे। कहा गया था कि नकल रोकने के लिए ये कदम उठाए गए थे। वहीं छात्रों का कहना था कि बुर्के में आए स्टूडेंट्स को भी एग्जामिनेशन हॉल में छूट दी जा रही थी।

रेवड़ी नहीं अब रेवड़ा बंट रहा

श्रीकंचनपथ

भाजपा ने छत्तीसगढ़ में चुनाव जीतने पर सभी विवाहिताओं को 12 हजार रुपए सालाना देने का वायदा किया है। यह रकम क्यों दी जाएगी, किसलिए दी जाएगी इस पर पार्टी चुप है। इसे महतारी वंदन योजना का नाम दिया गया है। वहीं कांग्रेस ने गृहलक्ष्मी योजना लाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने दीपावली पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि गृहलक्ष्मी योजना के तहत सभी महिलाओं को 15 हजार रुपए प्रति वर्ष दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पिता के लिए बेटी, पति के लिए पत्नी और पुत्र के लिए माता ही गृहलक्ष्मी होती है। जाहिर है कि कांग्रेस की घोषणा की जद में ज्यादा महिलाएं आने वाली हैं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने इसपर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के मतदान के बाद कांग्रेस घबरा गई है इसलिए महतारी वंदन योजना के मुकाबले वह छत्तीसगढ़ गृहलक्ष्मी योजना लेकर आई है। उनका आरोप एकदम सही है। जब चुनावी रेवड़ियां एक पार्टी बांटेगी तो दूसरे को भी रेवड़ा बांटना ही पड़ेगा। कांग्रेस ने भी कह दिया कि भाजपा महतारी वंदन योजना के फार्म भरवा रही है। उसकी गारंटी की भी कोई गारंटी नहीं है। वैसे इस चुनाव के आरंभ में धान खरीदी को लेकर कांग्रेस ने बड़ी घोषणा की थी। धान का मौजूदा समर्थन मूल्य 2023-24 के लिए 2183 रुपए है। भूपेश सरकार ने अपना वायदा पूरा करने के लिए पिछला चुनाव जीतने के बाद राजीव गांधी कृषक न्याय योजना शुरू की और धान पर 700 रुपए प्रति क्विंटल बोनस देना शुरू किया। इस बार इस राशि को और बढ़ाने की घोषणा की गई। भाजपा ने इसकी काट ढूंढी और सरकार बनने पर 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदने का वायदा कर दिया। कांग्रेस ने इसे बढ़ाकर 3200 प्रति क्विंटल कर दिया। साथ ही यह वायदा भी किया कि प्रति एकड़ 20 क्विंटल धान खरीदा जाएगा। फिलहाल प्रति एकड़ 15 क्विंटल धान खरीदा जाता है जो भाजपा को ज्यादा लगता रहा है। पिछले चुनाव से पहले मोदी सरकार ने 86 लाख मीट्रिक टन चावल के कोटे को घटाकर 61 लाख कर दिया था। अब उसे लगता है कि छत्तीसगढ़ की उसकी सरकार केवल इसी एक मुद्दे पर चल गई थी। धान को लेकर तो फिर भी समझ में आता है कि चलो किसानों को उनकी मेहनत और हक के पैसे मिल रहे हैं। सवाल उठता है कि जिस शराब को लेकर भाजपा साल भर हंगामा करती रही, वह एकाएक अमृत कैसे बन गई। अगर दारू की गंगा इसी तरह बहती रही तो महिलाओं के हाथ में जाने वाला पैसा वैसे भी उनके जी का जंजाल बनने वाला है। सरस्वती साइकिल योजना की साइकिलें भी दारू भट्टियों के आसपास गिरवी पाई जाती रही हैं। पत्नी की कमाई छीनने वाले मर्दों की भी कमी नहीं है। वैसे अब महिलाएं भी शराब पीने में पुरुषों को टक्कर दे रही हैं।

संपादकीय

प्रदूषण जागरूकता

प्रदूषण निवारण की दिशा में हमारा सफर अभी बहुत लंबा है। दीपावली की सुबह बहुत अच्छी थी, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में साफ आसमान और खिली धूप के साथ वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सुबह 7 बजे महज 202 पर था, मगर रविवार बीतते सूचकांक महानगर के अनेक इलाकों में लगभग 500 अंक तक चढ़ गया। यह स्थिति जितनी दुखद है, उतनी ही चिंताजनक भी। अभी 7 नवंबर को ही देश की सर्वोच्च अदालत ने इशारा किया था कि बेरियम युक्त पटाखों पर प्रतिबंध लगाने का उसका आदेश हर राज्य को कदम उठाने को बाध्य करता है और यह आदेश सिर्फ दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र तक सीमित नहीं है। दुर्भाग्य, आदेश की पालना पूरी तरह से नहीं हो सकी। आम लोगों को भी सोचना चाहिए कि आखिर आदेश, निर्देश, चेतावनी, खतरे के बावजूद प्रदूषण जानलेवा स्तर पर कैसे पहुंच गया? अब सर्वोच्च अदालत का रुख क्या रहेगा, यह देखने वाली बात होगी? शायद फिर नाराजगी का इजहार और सरकारों को नोटिस देने की नौबत आएगी, पर वास्तव में यह विषय आम लोगों से जुड़ा है। अफसोस, सोमवार को दिल्ली बहुत प्रदूषित रही और पटना ने भी मुकाबला किया। अनेक लोग होंगे, जो प्रदूषण के लिए पटाखों को जिम्मेदार ठहराएंगे, पर सच्चाई यह है कि पटाखे अवसर विशेष से जुड़े हैं और जब पटाखे नहीं होते हैं, तब भी प्रदूषण का हाल बहुत बुरा रहता है। अत: पटाखों को धर्म विशेष से जोड़कर देखना अनुचित है। हमें व्यापकता में सोचना चाहिए। कभी पराली, तो कभी वाहनों को, कभी पटाखों को जिम्मेदार ठहरा देने से काम नहीं चलेगा। हमारी सरकारों को राजनीति से ऊपर उठकर प्रदूषण का उपचार करना चाहिए। विगत दस वर्षों से एक-दूजे को सरकारें बचकाने ढंग से जिम्मेदार ठहराती आ रही हैं। यह जिम्मेदारी से बचने का नहीं, आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने का समय है। विशेषज्ञों की मदद से समग्र नीति बनाकर प्रदूषित राज्यों व शहरों को मार्ग दिखाना होगा। अगर यह राष्ट्रीय राजधानी की बड़ी समस्या भी है, तो समाधान की दिशा में जिम्मेदारी का एहसास भी राष्ट्रीय होना चाहिए। प्रदूषण को सिर्फ दिल्ली की समस्या मानने से समाधान नहीं होगा। यह महानगर एक ही जगह लाखों लोगों को रोजगार देता है, यहां देश भर से लोग आते हैं, तो क्या देश भर के लोगों को इसके बारे में नहीं सोचना चाहिए? हालांकि, स्थानीय स्तर पर शासन-प्रशासन से जुड़े निकाय अगर वैज्ञानिक आधार पर काम कर सकें, तो प्रदूषण का खतरा टल सकता है। यदि कोई शहर आबादी का बोझ नहीं संभाल पा रहा है, तो उसके भार को हल्का करने के बारे में सोचना चाहिए। यह सुनने में कैसा लगता है कि तेज बढ़ते भारत की राजधानी दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है? दो-तीन दिन पहले अगर बारिश न हुई होती, तो दिल्ली प्रदूषण का कैसा खतरनाक कीर्तिमान बनाती, यह सोचकर ही किसी भी संवेदनशील नागरिक को बेचैनी होगी। यह समय दोषारोपण का कतई नहीं है। ऑड-इवन पर अब विवाद है, पर दिल्ली सरकार 14 नवंबर से 14 दिसंबर तक खुले में कुछ भी जलाने पर पाबंदी लगाने जा रही है, तो यह स्वागतयोग्य है। ऐसे ही, व्यापक कदम उठाकर हम प्रदूषण से लड़ पाएंगे। प्रदूषण के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान भी ठीक उसी तरह से चलाना पड़ेगा, जैसे स्वच्छता के लिए चलाया गया। प्रदूषण के खिलाफ जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करना पड़ेगा, तभी लोग प्रदूषण के खिलाफ नवाचार के साथ आगे आएंगे।

> हमारी सरकारों को राजनीति से ऊपर उठकर प्रदूषण का उपचार करना चाहिए। विगत दस वर्षों से एक-दूजे को सरकारें बचकाने ढंग से जिम्मेदार ठहराती आ रही हैं। यह जिम्मेदारी से बचने का नहीं, आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेने का समय है।

> **नेहरू जीवन भर दोहराते रहे कि भारतीय राज्य किसी भी धर्म के प्रति निष्पक्ष है और रहेगा। विभाजन के ठीक पश्चात 'गरम हवा' वाले उस माहौल में भी भारतीय संविधान ने धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी दी और न सिर्फदक्षिण एशिया, बल्कि पूरी दुनिया में एक मिसाल बना। उन्होंने अंतर-सामुदायिक संवाद को अलग-अलग स्तर पर बढ़ावा दिया, ताकि भारत की धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता को हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत के स्रोत के रूप में पूरी दुनिया में प्रस्तुत किया जाए।**

हर कदम पर याद किए जाएंगे नेहरू

मनोज कुमार झा, राजद नेता व राज्यसभा सांसद

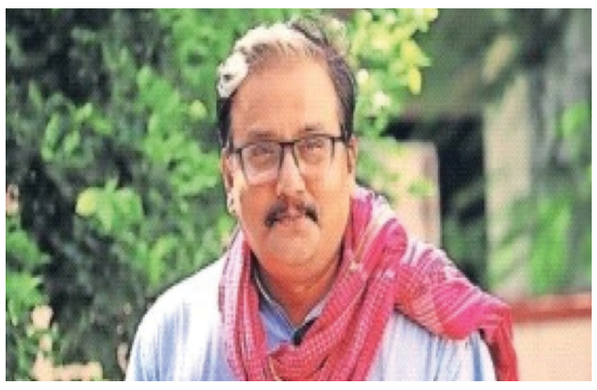

आज देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्मदिवस है। बड़े-बड़े लोग शांतिवन जाकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे और अच्छी-अच्छी बातें कहेंगे। हालांकि, उनकी विचारधारा और वैचारिक प्रतिबद्धता पर कोई चर्चा नहीं होगी, क्योंकि देश के सामाजिक-राजनीतिक मौसम का मिजाज बहुत बदल चुका है।

आज से तकरीबन तीन दशक पहले मैंने साहित्यकार राही मासूम रजा का साहित्यकार कमलेश्वर के नाम एक खुला खत पढ़ा था। खत का शीर्षक, या यूं कहें कि शुरुआती पंक्ति कुछ ऐसी थी, 'यार, कमलेश्वर, ये मौसम बदलने का नाम क्यों नहीं ले रहा है?' तब परिप्रेक्ष्य यह था कि रजा और कमलेश्वर, दोनों ही राम जन्मभूमि आंदोलन के बरक्स समाज में तेजी से बढ़ते ध्रुवीकरण से व्यथित थे। विभाजन के बाद बड़ी मुश्किल से रिश्तों का दोबारा ताना-बाना बुनने वाले समाज के लिए 1980 के दशक का धार्मिक ध्रुवीकरण एक बड़ी आबादी के लिए परेशानी का सबब बन रहा था। जिन सिद्धांतों और मूल्यों पर एक स्वाभिमानी, आधुनिक और प्रगतिशील देश की बुनियाद रखी गई थी, उनको बढ़ती दक्षिणपंथी और सांप्रदायिक राजनीतिक प्रवृत्तियां लगातार ललकार रही थीं। भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू विविध और बहु-धार्मिक समाज में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के अपने प्रयासों के लिए जाने जाते थे। आज बहुत कम लोग हैं, जो भारत में एकता और विविधता के महत्व का उसी शिद्दत से प्रचार व अभ्यास करेंगे, जिसके लिए नेहरू जाने जाते थे। उन्हें बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता, दोनों की चिंता थी। वह सांप्रदायिक हिंसा की निंदा और आलोचना में 'किंतु', 'परंतु' नहीं करते थे।

नेहरू जीवन भर दोहराते रहे कि भारतीय राज्य किसी भी धर्म के प्रति निष्पक्ष है और रहेगा। विभाजन के ठीक पश्चात 'गरम हवा' वाले उस माहौल में भी भारतीय संविधान ने धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी दी और न सिर्फदक्षिण एशिया, बल्कि पूरी दुनिया में एक मिसाल बना। उन्होंने अंतर-सामुदायिक संवाद को अलग-अलग स्तर पर बढ़ावा दिया, ताकि भारत की धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता को हमारी कमजोरी नहीं, बल्कि ताकत के स्रोत के रूप में पूरी दुनिया में प्रस्तुत किया जाए।

नेहरू जब नियोजित आर्थिक विकास की बात करते थे, तब यह उनके लिए सिर्फ एक प्रतीक या दिखावा नहीं था। वह जानते थे कि देश की क्या स्थिति है, जहां आधुनिक शिक्षा का ऐसा निम्न स्तर था कि हम सुई तक नहीं बना पाते थे। अगर देश में नियोजित आर्थिक विकास नहीं होता, तो पड़ोस के अनेक देशों की तरह हमारे यहां भी असमानता का स्तर इतना बढ़ जाता कि हम राजनीतिक रूप से न सही, आर्थिक रूप से एक उपनिवेश या कॉलोनी बने रह जाते। आज जिस आत्मनिर्भरता की बात खूब हो रही है, उसकी नींव पंडित नेहरू ने ही रखी थी। आईआईटी, आईआईएम जैसी संस्थाओं का निर्माण हुआ। दुनिया में अन्य देशों के नेता आगे का रास्ता जब सोच भी नहीं पा रहे थे, तब नेहरू ने विविध उपयोगी संस्थानों, संस्थाओं की मदद से देश का निर्माण शुरू किया था। तब अनेक लोगों को यह लगता था कि नेहरू कर क्या रहे हैं, इसकी अभी क्या जरूरत है, मगर धीरे-धीरे लोगों तक समृद्धि पहुंचने लगी और उन्हें नेहरू की नीतियों का मतलब समझ में आने लगा।

युवाओं की दृष्टि से यह बात बहुत रेखांकित करने योग्य है कि पंडित नेहरू ने वैज्ञानिक प्रवृत्ति को बहुत बल दिया। वह जानते थे कि दकियानूसी, पाखंड, अंधविश्वास जैसी चीजें इस देश को लील सकती हैं, इसलिए नेहरू ने बार-बार गांव-देहात के मंच से भी यह संदेश दिया कि वैज्ञानिक सोच के अलावा हमारे पास कोई विकल्प नहीं है। एक मिला-जुला हिन्दुस्तान तभी बेहतर बनेगा, जब हम वैज्ञानिक उन्नति के लिए प्रतिबद्ध होंगे। भारत को अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखते हुए अपनी अलग आवाज को भी जिंदा रखना होगा।

आज अगर हम संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के पक्ष में आवाज उठा पा रहे हैं, आज अगर हम इस पक्ष में हैं कि इजरायल किसी भी स्थिति में फिलिस्तीन को कॉलोनी न बनाए, तो इसके पीछे वही मानवीय व गुटनिरपेक्ष सोच है, जो गांधीजी से 1938 से शुरू हुई थी और नेहरू ने जिसे व्यापक आयाम दिया।

नेहरू युवाओं को राष्ट्र के विकास में भागीदार मानते थे। एनसीसी, एनएसएस जैसे प्रयास बहुत नेताओं की कल्पना में भी नहीं थे, पर नेहरू युवाओं को यह समझाने में कामयाब हुए कि देश-सेवा के लिए वयस्क होने का इंतजार जरूरी नहीं है, उससे पहले भी देश के विकास में योगदान दिया जा सकता है। पंडित नेहरू ने राष्ट्र-निर्माण में बच्चों की भूमिका के बारे में भी संस्थागत रूप से सोचा और किया। उन्होंने बताया कि बच्चे देश की संस्कृति और शांति में अपना योगदान दे सकते हैं। नेहरू युवा केंद्र का विचार भी उनके साये में आगे बढ़ा और देश भर के नौजवानों को विविधता के बावजूद एक मंच पर लाने में कामयाब हुआ।

इसमें कोई दोराय नहीं कि नेहरू और उनके साथियों ने बिना लाग-लपेट के हिन्दुस्तान के हर युवा व हर नागरिक को बुनियादी रूप से याद दिलाया कि हिंसा देश और उसके लोगों को सिर्फ नुकसान पहुंचाती है और इसे कभी भी आपसी शिकायतों को दूर करने का साधन नहीं बनाना चाहिए। उनका पुख्ता यकीन था कि सांप्रदायिकता की राजनीति सामाजिक न्याय के सरोकार को भी प्रभावित करती है। उनके दौर की 'गरम हवा' आज भयानक 'लू' में तब्दील हो चुकी है और दुख इस बात का है कि यह लू समाज की एक हकीकत बनती जा रही है। इसके पक्ष में खड़े लोगों की बढ़ती संख्या सिर्फ सामूहिक चिंता नहीं, बल्कि हमारे समाज में बढ़ रही रुग्णता का भी संदेश दे रही है। काश, वह आज के नामचीन लोगों के नफरत भरे रोजमर्रा के बयान देख पाते, ऐसे तोड़ने वाले बयान, जो आज करोड़ों मोबाइल फोन पर आगे बढ़ते चले जाते हैं।

तीन दशक पहले, जो रजा और कमलेश्वर का वक्त था, उसमें अवसाद और मायूसी वाले लोगों की एक बड़ी आबादी थी और एक छोटा सा वर्ग ही सांप्रदायिक आधार पर समाज के विभाजन पर तालियां बजा रहा था। वह छोटा सा वर्ग आज बड़ा आकार ले चुका है।

खैर, एक फसल बर्बाद हो जाने के बाद भी किसान अगली फसल फिर लगाता है। उसे मौसम के बदलने पर हम सबसे ज्यादा विश्वास होता है। देश, दुनिया पर वर्तमान उदासीनता के बादल स्थायी नहीं हैं। नेहरू को याद करते हुए लगता ह, यह घृणा और द्वेष का मौसम फिर जल्द ही छंट जाएगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सुरंग हादसे में कहीं फिर न दब जाएं पुराने सवाल

ए के शुक्ला, पूर्व प्रमुख, भूकंप विज्ञान, मौसम विभाग

उत्तरकाशी की ताजा घटना ने दो साल पहले उत्तराखंड के ही तपोवन सुरंग हादसे की याद ताजा कर दी। उसमें भी कई मजदूरों की जान पर बन आई थी, जिनको बाहर निकालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, दोनों घटनाओं में एक बुनियादी फर्क यह है कि तपोवन हादसे में ग्लेशियर टूटने के कारण टनल में पानी के तेज बहाव के साथ गाद जमा हो गई थी और मजदूर फंस गए थे, जबकि उत्तरकाशी हादसे की वजह तकनीकी, और कुछ हद तक लापरवाही मानी जा रही है। यह घटना क्यों और कैसे हुई, इसका पूरा विवरण को जांच के बाद ही सामने आएगा, पर इस हादसे ने पर्यावरण बनाम विकास की बहस को एक बार फिर जिंदा कर दिया है।

पहाड़ के बारे में कहा जाता है कि यहां छोटी सी भौगोलिक घटना भी काफी असर डालती है, चाहे उसका प्रभाव तुरंत पड़े या कुछ दिनों के बाद। इसका अर्थ यह है कि अगर पहाड़ पर हल्की तीव्रता का भी कोई भूकंप आता है, तो स्थानीय संरचना की वजह से यह जरूरी नहीं है कि वह तत्काल अपना असर दिखाए। इसमें कुछ दिनों या महीनों का वक्त लग सकता है। इसी तरह, मानवीय त्रुटियों का असर भी तुरंत नहीं दिख सकता। और जब पहाड़ की संरचना कमजोर हो, तो ऐसी परिस्थितियां काफी खतरनाक साबित हो सकती हैं। लिहाजा, सोचने का विषय यह है कि पहाड़ आखिर कमजोर क्यों पड़ते जा रहे हैं? यह सही है कि हिमालय की बनावट इसे दुनिया की सबसे नई और कमजोर पर्वत-शृंखला बनाती है, क्योंकि यह पहाड़ इंडियन और यूरेशियन प्लेट्स के आपस में टकराने से बना है, जो आज भी जारी है। मगर यह अब अनियोजित विकास की कीमत भी चुका रहा है। हिमालय क्षेत्र में जल-विद्युत परियोजनाओं, सड़कों व रेल-पटरियों का जाल बिछाया जा रहा है। चार धाम परियोजना को लेकर तमाम तरह के

सवाल उठते रहे हैं। कहा जा रहा है कि अगले एक दशक में उत्तराखंड में 66 टनल बनाने की योजना है, जिनमें से 18 चालू भी हो गए हैं। जोशीमठ में ही जब घरों में दरारे पड़ने के मामले सामने आए थे, तब भूवैज्ञानिकों का मानना था कि मानव-जनित कार्यों के कारण करीब 6,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित चमोली का यह शहर कई जगहों पर धंस रहा है। उत्तराखंड आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भी कुछ इसी तरह के तर्क दिए थे। ये सब तस्दीक कर रहे हैं कि कहीं न कहीं चूक जरूर हो रही है, जिस पर तत्काल ध्यान देना होगा।

हालांकि, इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि पहाड़ की ऊंचाई पर विकास के काम नहीं होने चाहिए। बुनियादी सुविधाओं के अभाव के कारण ही अब कई पहाड़ी गांव वीरान हो चुके हैं। यहां गांव के गांव खाली हैं। इसलिए, पहाड़ पर रहने वालों को भी बिजली, पानी, सड़क आदि की सुविधाएं मिलनी चाहिए। मगर हां, इस विकास की रूपरेखा पर गहन विचार-विमर्श की जरूरत है। अनियोजित विकास पर्वतों पर ही नहीं, मैदानी इलाकों पर भी भारी पड़ सकते हैं। विशेषकर, पहाड़ अगर हिमालय के हों, क्योंकि इसके नीचे करीब 20 मिलीमीटर प्रतिवर्ष की गति से इंडियन प्लेट आज भी यूरेशियन प्लेट के नीचे घुस रही हैं। इस कारण इसकी सतही संरचना एकमुश्त पत्थर जैसी नहीं है, बल्कि बड़े-बड़े बोल्डर पत्थर मिट्टी से बंधे हैं। ऐसे में, पहाड़ों को काटकर किए जाने वाले निर्माण इसकी मजबूती की परीक्षा लेने लगते हैं। यह तो भला हो 2005 में किए गए नीतिगत बदलाव का कि आपदा प्रबंधन अधिनियम बनाकर यह तय किया गया कि आपदा आने से पहले के बचाव-उपायों पर हमें ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

फिलहाल, उत्तराखंड में सड़क, रेल, जलविद्युत से जुड़ी कई तरह की परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें न जाने कितनी सुरंग बनाने की जरूरत होगी। ऐसे में, इस तरह के हादसे संकेत हैं कि साल 2005 के अधिनियम का शायद ईमानदारी से पालन नहीं किया जा रहा। हमें इस पर गौर करना होगा, साथ ही, निर्माण-कार्यों से पहले भू-तकनीक पहलू का भी विशेष ध्यान रखना होगा। इन इलाकों को लेकर खास संवेदनशीलता की दरकार है। हमें पहाड़ों के लिए ऐसा विकास चाहिए, जिससे यहां की भौगोलिक बनावट अक्षुण्ण रहे और यहां की पारिस्थितिकी को भी चोट न पहुंचे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

धूप आने दो: असली कृष्ण ने किया नकली कृष्ण का उद्धार

करुष्ण देश का एक राजा हुआ। नाम था पौंड्रक। उसके चाटुकार मंत्रियों ने पौंड्रक को यह विश्वास दिला दिया कि वही भगवान विष्णु का असली अवतार कृष्ण है। मंत्रियों के झांसे आया पौंड्रक स्वयं को सचमुच वासुदेव कृष्ण समझने लगा। उसने श्रीकृष्ण जैसा वेश भी धारण कर बना लिया। पौंड्रक ने सबसे पहले अपने शरीर पर नीला रंग करवाया। फिर उसने शंख और चक्र के साथ लकड़ी के दो अतिरिक्त हाथ बनवाए और उन्हें अपने कंधों पर बांधकर चतुर्भुज बन बैठा। उसने एक लाल मणि को कौस्तुभ नाम दिया और उसे भी गले में लटका लिया। फिर मुकुट में एक मोर पंख फंसाया और एक गदा एवं एक पद्म हाथ में लेकर घूमने लगा। उसने लोहे का एक पैर बनवाकर उसका चिह्न अपने वक्ष पर छपवा लिया क्योंकि वैसा ही एक पदचिह्न भगवान विष्णु के वक्ष पर बना है। हालांकि विष्णु के वक्ष पर बना पदचिह्न, वास्तव में महर्षि भृगु के पैर का निशान है जिसे श्रीवत्स भी कहते हैं। इस चिह्न को अंकित कराने में पौंड्रक को पीड़ा तो बहुत हुई किंतु कृष्ण की नकल करने के लिए उसे यह भी स्वीकार था। इस तरह पौंड्रक ने श्रीकृष्ण की तरह नकली अस्त्र-शस्त्र एवं वस्त्राभूषण धारण कर लिए। उसने स्वयं को भगवान घोषित कर दिया तथा राज्य में अन्य देवी-देवताओं की पूजा पर प्रतिबंध लगा दिया। फिर भी द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण का यश कम नहीं हुआ। तब पौंड्रक के मंत्रियों ने उससे कहा कि यदि वासुदेव कृष्ण से आगे निकलना है, तो उन्हें युद्ध में पराजित करना होगा। धूर्त मंत्रियों के चंगुल में फंसे मूर्ख पौंड्रक ने श्रीकृष्ण के पास संदेश भेजा: 'वासुदेव! मैं भगवान विष्णु का अवतार हूं और मैं ही असल में नारायण का रूप हूं। मैंने संसार को अधर्म से मुक्त कराने के लिए अवतार लिया है। मुझे पता लगा है कि तुम मेरा नाम और मेरे चिह्न जैसे श्रीवत्स, कौस्तुभ, सुदर्शन चक्र, मोरपंख आदि पाञ्चन्य शंख, कौमुदकी गदा तथा पद्म आदि का प्रयोग करते हो। मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूं कि तुम तत्काल मेरे नाम का दुरुपयोग करना छोड़कर समर्पण कर दो, अन्यथा मुझसे युद्ध करो! पौंड्रक का संदेश सुनकर कृष्ण मुसकराए। उन्होंने दूत से कहा कि वह पौंड्रक की इच्छा अवश्य पूर्ण करेंगे। कुछ ही दिन में कृष्ण, सेना लेकर पौंड्रक से युद्ध करने पहुंच गए। कृष्ण के आगमन का समाचार सुनते ही, पौंड्रक तुरंत अपने नकली अस्त्र-शस्त्र धारण करके कृष्ण से युद्ध करने आ गया। पौंड्रक को देखकर यादव सेना जोर-जोर से हंसने लगी। कृष्ण ने पौंड्रक को देखा तो वे भी अपनी हंसी नहीं रोक पाए। कृष्ण को देखकर पौंड्रक चिल्लाया, 'रुक जाओ, ढोंगी कृष्ण! मुझे ध्यान से देखो। मुझे देखकर समझ गए होगे कि मैं ही विष्णु का अवतार और असली वासुदेव हूं। मैं अंतिम बार सावधान कर रहा हूं कि अब भी समय है, मेरे सामने समर्पण कर दो तो मैं तुम्हें क्षमा कर सकता हूं अन्यथा आज तुम यहां से जीवित वापस नहीं जाओगे। पौंड्रक की बात सुनकर कृष्ण भोला-सा चेहरा बनाकर बोले, 'हां महाराज, आपकी बात सत्य है और आपका दावा भी सच्चा है। मैं स्वयं को वासुदेव केवल इसलिए कहता हूं क्योंकि मैं वसुदेव जी का पुत्र हूं। परंतु मुझे भगवान विष्णु का असली अवतार आप ही लग रहे हैं। पौंड्रक को लगा कि कृष्ण उसके झांसे में आ गए। वह घमंड में बोला, 'मैं जानता हूं कि मैं ही असली वासुदेव हूं। इसलिए तुम तत्काल अपने अस्त्र शस्त्र मुझे सौंप दो। अपनी पराजय स्वीकार कर लो। कृष्ण हंसकर बोले, 'मैं अपने अस्त्र-शस्त्र सौंप सकता हूं किंतु मुझे नहीं लगता कि आप इनका बोझ उठा पाएंगे! 'चुप रहो, मूर्ख!' पौंड्रक चिल्लाया। 'अपने अस्त्र-शस्त्र मुझे दे दो अन्यथा युद्ध करो क्योंकि अब हम दोनों इस लोक में नहीं रह सकते। तुम्हें मारकर मैं धरती पर धर्म की स्थापना करूंगा। यह सुनकर भगवान कृष्ण ने कहा, 'पौंड्रक, यदि मेरे अस्त्र-शस्त्र लेकर तुम्हें प्रसन्नता होती है तो यही सही! लो, पहले मेरा यह चक्र संभालो!' और इतना कहते ही, श्रीकृष्ण ने अपना सुदर्शन चक्र पौंड्रक पर छोड़ दिया। अगले ही क्षण सुदर्शन चक्र ने नकली वासुदेव यानी पौंड्रक का सिर धड़ से अलग कर दिया। भगवान कृष्ण के विषय में प्रसिद्ध है कि जिसने उन्हें जिस रूप में पूजा, उसी रूप में उन्हें पाया। पौंड्रक को श्रीकृष्ण का बाह्य रूप पसंद था इसलिए कृष्ण का वही बाहरी रूप पौंड्रक की मुक्ति का साधन बना।

मुफ्त की रेवड़ियों से कठघरे में चुनावी राजनीति

विश्वनाथ सचदेव

हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने निश्चय कर लिया है कि अगले पांच साल तक देश के गरीबों को मुफ्त राशन मुहैया करायेंगे। इस निश्चय की घोषणा उन्होंने मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की चुनावी सभा में की है! यह 'निश्चय' शब्द उन्हीं का है। उन्होंने स्पष्ट कहा है, 'मैंने निश्चय कर लिया है।' उन्होंने यह नहीं कहा कि यदि वे चुनाव जीत गये। स्पष्ट है वे यह मानकर चल रहे हैं कि पांच राज्यों में ही नहीं, लोकसभा के 2024 के चुनाव में भी वही विजय हासिल करेंगे। ऐसी कोई सूचना कितनी विश्वसनीय है यह तो चुनाव-परिणाम ही बतायेंगे, पर मुफ्त अनाज बांटने की घोषणा करके उन्होंने यह तो बता ही दिया है कि गरीबों को मुफ्त अनाज चुनावी लड़ाई में उनका एक बड़ा हथियार है, जिसे वे कारगर मानते हैं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि चुनाव अक्सर 'रोटी, कपड़ा और मकान' के नाम पर ही जीते जाते रहे हैं। पिछले एक अर्से से इसमें धर्म और जुड़ गया है, पर भूख निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दा है। बेरोज़गारी, महंगाई जैसे मुद्दे भी अंतत: भूख से ही जुड़े हुए हैं। ऐसे में यह मानना ग़लत नहीं होगा कि मुफ्त अनाज वाली यह तरकीब काफी कारगर सिद्ध हो सकती है।

वस्तुत: मुफ्त अनाज की शुरुआत देश में कोरोना-काल में हुई थी। सरकारी दावों के अनुसार इस दौरान देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज बांटा गया था। दुनियाभर में भारत सरकार की इस पहल की सराहना हुई थी। देश में भी प्रधानमंत्री मोदी के इस कदम को सराहा गया था। फिर, पिछले दो साल में भी इस अनाज योजना को लागू रखा गया और भाजपा को इसका लाभ भी मिला। प्रधानमंत्री को लग रहा है यह लाभ आगे भी मिलता रहना ज़रूरी है- इसीलिए अब आगामी पांच साल तक मुफ्त अनाज बांटने की इस योजना को चालू रखने के निश्चय की घोषणा कर दी गयी है।

कोरोना-काल में इस तरह की योजना देश की जनता की आवश्यकता थी। इसमें कोई संदेह नहीं कि तब करोड़ों लोगों के रोज़गार छिन गये थे। बड़ी संख्या में फैक्टरियां, कारखाने, दफ्तर आदि बंद हो गये थे। बीमारी और बेरोज़गारी ने भयावह स्थिति उत्पन्न कर दी। ऐसी स्थिति में अस्सी करोड़ जनता को मुफ्त अनाज देकर सरकार ने एक अभूतपूर्व काम किया था। लेकिन क्या आज भी स्थिति वैसी ही है जैसी तीन साल पहले थी? क्या अब भी फैक्टरियां, कारखाने, दफ्तर बंद हैं? क्या अब भी देश के लोग भूखे सो रहे हैं अथवा उन्हें भूखा सोना पड़ रहा है? यदि ऐसा है तो यह निश्चित रूप से गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। देश के अस्सी करोड़ लोगों की भूख मिटाने के लिए सरकार की

'अनुकंपा' पर निर्भर रहना पड़े, यह चिंता की बात भी है, और शर्म की बात भी। कोरोना-काल एक अपवाद था। उस समय की विवशताओं को समझा जा सकता है। पर ऐसी किसी व्यवस्था का स्थाई बन जाना अपने आप में एक बड़ी समस्या है। देश की जनता को काम मिले, उसकी भूख मिटे, उसे जीवन को बेहतर बनाने के पर्याप्त और उचित अवसर मिलें यह किसी भी सरकार का बुनियादी कर्तव्य होता है। लेकिन इस सबके लिए सरकार की कृपा की आवश्यकता हो और जनता को कतारों में खड़े होकर हाथ पसारने पड़ें तो इसे एक सोचनीय स्थिति ही कहा जाना चाहिए। सवाल यह भी उठता है कि यदि देश की अर्थ व्यवस्था दसवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गयी है, और तीसरे स्थान तक पहुंचाने के दावे किये जा रहे हैं, तो अस्सी करोड़ लोग मुफ्त राशन पर निर्भर क्यों हों?

चुनावी मौसम में आश्वासनों और वादों की उपयोगिता असंदिग्ध है। दावे भी समझ में आते हैं। एक सीमा तक 'रेवड़ियां' बांटना भी समझा जा सकता है। पर अस्सी करोड़ लोगों को भूखा न सोना पड़े और इसके लिए सरकारी कृपा पर आश्रित होना पड़े, यह बात आसानी से समझ नहीं आती। इस स्थिति का सीधा-सा मतलब यह है कि सरकार देश की जनता को उचित जीवन-स्थितियां देने के अपने बुनियादी काम में विफल रही है। इस विफलता के लिए 'पिछली सरकारों' को दोषी ठहराना एक सीमा तक तो समझ में आता है, पर इस विफलता का सारा ठीकरा पहले की सरकारों पर फोड़ना किसी भी दृष्टि से समझ नहीं आता। कोई भी सरकार ऐसी स्थिति के दायित्व से बच नहीं सकती। यह मान भी लिया जाये कि पिछली सरकारों ने अपना कर्तव्य ठीक ढंग से नहीं निभाया था, तब भी मौजूदा सरकार का यह कर्तव्य बनता है कि वह स्थिति को सुधारे। यदि आज सरकार को पांच साल तक मुफ्त अनाज बांटने की घोषणा करनी पड़ रही है तो यह इस बात का ही प्रमाण है कि सरकार की नीतियों में कहीं खोट है या फिर उनका क्रियान्वयन गलत है। साठ साल की तुलना में दस साल कम होते हैं, इसमें संदेह नहीं, पर दस साल इतने कम भी नहीं होते कि कोई सरकार समय की कमी को कारण बताकर अपने कर्तव्य से पल्ला झाड़ ले। जनता को पांच साल तक मुफ्त अनाज देने की व्यवस्था को स्वीकार करना एक तरह से अपनी विफलता को ही स्वीकार करना है।

लेकिन सरकार विकास के दावे कर रही है। कृषि के क्षेत्र में, उद्योग के क्षेत्र में, व्यवसाय के क्षेत्र में- सब क्षेत्रों में विकास की बातें हो रही हैं, तो फिर मुफ्त अनाज बांटने की यह विवशता क्यों?

इस प्रश्न का एक उत्तर उस मानसिकता में है जो 'रेवड़ियां बांटने' को चुनावी जीत का एक आधार मानती है। मतदाता को रिझाने के लिए राजनीतिक दल और राजनेता पिछले एक अर्से से मुफ्त सामान बांट रहे हैं। नकद राशि भी बंटती रही है। हर चुनाव में बड़ी मात्रा में काले धन की बरामदगी इस बात का ही उदाहरण है कि वोट मांगे नहीं जा रहे, खरीदे जा रहे हैं। यह वोट खरीदना कुल मिलाकर जनतंत्र के साथ छल ही है। यह सही है कि मतदाता का वोट बेचना भी उतना ही गलत है, पर मुफ्त राशन और नकद सहायता जैसे काम हमारी चुनावी-राजनीति को कठघरे में ही खड़ा करते हैं। कुल मिलाकर वोटों की ही यह खरीद-फरोख्त किसी अपराध से कम नहीं। हैरानी तो यह भी है कि चुनावी मौसम में इस सब को जायज मान लिया गया है!

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

निर्वाचन ड्यूटी में तैनात अधिकारी कर्मचारी डाक मतपत्र के माध्यम कर रहे मतदान

बेमेतरा। विधानसभा सामान्य निर्वाचन- 2023 की तैयारियों को जहां अंतिम रूप दिया जा रहा है, वहीं निर्वाचन ड्यूटी में लगे 3500 से अधिक अधिकारी-कर्मचारियों ने बीते 9 नवंबर से प्रशिक्षण केन्द्रो में बने सुविधा केंद्रों पर अपना वोट डालना शुरू कर दिए है। विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदान दलों मे नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी, सेक्टर अधिकारी, मतदान दल,बीएलओ, ड्रायवर, डाक मतपत्र से अपना मतदान कर सकेंगे। इसके लिए ज़िला स्तर पर प्रशिक्षण केन्द्रो के साथ साथ कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 6 में भी मतदान सुविधा केंद्र बनाया गया हैं । पहले दिन 9 नवंबर को जिला स्तरीय सुविधा केंद्र में और प्रशिक्षण सुविधा केंद्र में 1034 कर्मियों ने डाक मत पत्र से मतदान किया 7 वही ज़िला स्तरीय सुविधा केंद्र मैं 767 कर्मियों ने अपने मताधिकार का डाक मत पत्र के माध्यम से प्रयोग किया 7 विधानसभा निर्वाचन ड्यूटी में लगे 3395 अधिकारी कर्मचारी ने निर्धारित प्रारूप में डाक मत पत्र के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। इनमें से 10 नवंबर तक 1801 मतदान मतदान किया है, 11 नवंबर को 702 अधिकारी-कर्मचारियों ने मतदान किया । आज 13 नवम्बर को 190 कर्मियों ने डाक मतपत्र से मतदान किया । इस तरह अब तक कुल 2693 निर्वाचन ड्यूटी में तैनात अधिकारी-कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। शेष कल 14 नवंबर को मतदान करेंगे 7 अपर कलेक्टर सी.एल मार्कण्डेय ने बताया कि मतदान सुबह 9:00 बजे से 5:00 बजे तक मतदान हो रहा है। कल 14 नवंबर को डाक मतपत्र से मतदान का आख़िरी दिन है। सुविधा केंद्र में चल रहे डाक मतपत्र मतदान के दौरान एसडीएम एवं रिटर्निंग ऑफ़िसर नवागढ़ श्री भूपेन्द्र जोशी मौजूद थे।

मातृ वंदन योजना के फार्म प्रशासन ने किये जप्त

कोरबा। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में विवाहित महिलाओं को 12 हजार रूपए वार्षिक का प्रत्यक्ष लाभ देना शामिल किया है। इसे प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना का नाम दिया गया है। विधानसभा चुनाव के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में इसके फार्म महिलाओं से भराये जा रहे हैं। शिकायत पर निर्वाचन आयोग की सर्विलांस टीम ने कोरबा विधानसभा क्षेत्र में कई स्थान पर छापा मारकर बड़ी संख्या में भरे और खाली फॉर्म को जब्त किया है। शनिवार को शहर के कई वार्डों में महतारी वंदन योजना का फॉर्म महिलाओं से भरवाया जा रहा था। इसकी शिकायत निर्वाचन आयोग को मिली। आयोग की सर्विलांस टीम हरकत में आई। ढोढ़ीपारा, दर्री नगोईखार, रिस्दी और ट्रांसपोर्ट नगर सहित कई इलाके में छापामार कार्रवाई की। बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना के फॉर्म को जब्त किया। कुछ फॉर्म भरे गए थे। साथ में महिलाओं का आधार कार्ड भी अटैच किया गया था। सर्विलांस टीम को देखकर कई जगह पर कार्यकर्ता फार्म छोड़कर इधर- उधर हो गए। सर्विलांस टीम की ओर से बताया गया कि नगोईखार में एक नेता के घर आयोग की टीम पहुंची। टीम ने घर से बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना के फॉर्म को जब्त किया। आयोग ने रिस्दी, ढोढ़ीपारा और भैंसखटाल इलाके में भी दबिश दी। सर्विलांस टीम के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए आर्दश आचार संहिता लागू है। सर्विलांस टीम की ओर से बताया गया कि आयोग की ओर से जब्त किए फॉर्म की जानकारी कोरबा विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफ़िसर (आरओ) को दी जाएगी। आगे की कार्रवाई आरओ की ओर से किया जाना है।

दीपावली पर दीपों से रोशन हुए घर-आंगन, आतिशबाजी से सतरंगी हुआ आसमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कार्तिक माह की अमावस्या पर रविवार को दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से बाजार गुलजार हो गया। देर रात शाम तक लोगों ने जमकर खरीदारी की। मां लक्ष्मी पूजा की तैयारी में श्रद्धालु दिनभर तैयारी में जुटे रहे। बाजार में केले झाड़, कमल, गेंदे के फूल, मां लक्ष्मी की प्रतिमा और मालाओं की खूब मांग रही। शाम होते ही घर और प्रतिष्ठानों में दिवाली पर्व पर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा का प्रारंभ हो गया था, जो देर रात तक में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की।

परिवार में सुख और समृद्धि की कामना की गई। मां महालक्ष्मी के स्वागत में लोग जमकर आतीशबाजी की गई। देर रात तक पटाखे छोड़ गए। पटाखों की रंग-बिरंगी रोशनी से सतरंगी आसमान लोगों के लिए आकर्षण केंद्र रहा। सोमवार को भी देर शाम तक पावर हाउस रोड, टीपी नगर, बुधवारी बाजार, घंटाघर चौक, सुभाष चौक, कोसाबाड़ी, मेन रोड से लेकर उप नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र के बाजार गुलजार रहे।

मंगलवार को अन्नकूट व गोवर्धन पूजा किया जाएगा। घरों में पारंपरिक रूप से पूजा-अर्चना की जाएगी। अनेकों मंदिर में 56 भोग लगाए गए।

प्रसाद का वितरण किया गया। बुधवार को भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व भाई दूज मनाया जाएगा। बहन अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाएंगी। भाई के लंबी उम्र की कामना करेंगी और भाई अपनी बहनों को रक्षा का वचन का संकल्प करेंगे। इसे लेकर श्रद्धालुओं में काफी उत्साह है। नगर पंचायत छुरीकला के वार्ड क्रमांक 12 के वार्डवासियों के सहयोग से इस बार भी गणेशा तालाब में काली महोत्सव राजपुरोहित अनिल तिवारी के सानिध्य में काली मूर्ति स्थापित कर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। तीन वर्षों से लगातार वार्ड 12 गणेशा तालाब के समीप मां काली महोत्सव मनाया जा रहा है। गणेशा तालाब में भव्य पंडाल बनाकर मां काली मूर्ति की स्थापना धनतेरस को राजपुरोहित अनिल तिवारी के द्वारा विधिवत स्थापित की गई। मूर्ति स्थापना के दौरान काफी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। राजपुरोहित अनिल तिवारी ने बताया कि काली महोत्सव मनाने का सिलसिला तीन वर्षों से लगातार नगरवासियों के प्रयास व सहयोग से किया जा रहा है। तीन दिवसीय काली महोत्सव में शामिल होने नगर सहित आसपास क्षेत्र के काली भक्त पूजा आरती में शामिल हुए। वहीं जस गीत गायक मंडलियों द्वारा गायन भजन किया गया। कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष की एकादशी को तुलसी विवाह के साथ ही वैवाहिक कार्यक्रम की प्रारंभ हो जाएगी। इसके पहले ही वैवाहिक जोड़े के परिवार कार्यक्रम की तैयारी में जुट गए हैं।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज का दीपावली मिलन समारोह, दिये की रोशनी से जगमगाया चेंबर भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ़ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा प्रतिवर्षानुसार आज दिनांक 13 नवंबर, 2023 को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक दीपावली मिलन समारोह का आयोजन चौधरी देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में संपन्न हुआ। जिसमे चेंबर संरक्षक से लेकर सलाहकार, प्रदेश प्रभारी आईटी, प्रदेश कार्यालय प्रभारी, प्रदेश सांस्कृतिक प्रभारी, प्रदेश उपाध्यक्ष, संगठन मंत्री, प्रदेश मंत्री, कार्यकारी सदस्य, उद्योग चेंबर, ट्रांसपोर्ट चेंबर, महिला चेंबर, युवा चेंबर, कैट सीजी चेप्टर टीम, युवा कैट एवं विभिन्न व्यापारी एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित पुरे प्रदेश के चेंबर पदाधिकारी एवं सदस्य गण बड़ी संख्या में सम्मिलित हुए।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने समारोह के शुभारंभ में सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं अतिथियों सहित प्रदेश के समस्त व्यवसायियों-उद्योगपतियों तथा

आम जनता को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं खुशहाल जीवन की कामना की। वहीं समारोह में शामिल चैंबर के पदाधिकारियों व व्यवसायियों ने संयुक्त रूप से दीप भी जलाये। साथ ही एक दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी। पारवानी चैंबर के पदाधिकारियों व व्यवसायियों को संबोधित कर दीपावली पर्व के महत्तव को बताते हुए कहा कि रौशनी का यह पर्व लोगों के जीवन में सुख समृद्धि और शांति लाती है, इस पावन अवसर पर आओ हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि स्वयं के अन्दर की बुराई रूपी अँधेरे को इस दीपावली पर्व के रौशनी से हमेशा के लिए मिटाएँ। समारोह में श्री पारवानी जी ने प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों से 17 नवंबर को होने वाले चुनाव में अपने, अपने परिवार, अपने कर्मचारी एवं उनके परिवार के मताधिकार का उपयोग कर सबसे बड़े लोकतांत्रिक पर्व को सफल बनाने हेतु चेंबर के माध्यम से अपील की।

विधानसभा चुनाव 17 को, शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने अपील

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। आप सभी ने बस्तर में विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया है। कोरबा की स्थिति बस्तर से विपरीत है। यहां के लोग बेहद ही भोले भाले व शांतिप्रिय हैं। यहां की फिज़ा बेहतर है, जिसका आप सभी को एक अलग ही अहसास होगा। हमे एक दूसरे से सामंजस्य के साथ विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है।

उक्त बातें जिले के पुलिस कप्तान जितेंद्र शुक्ला ने राजीव गांधी ऑडीटोरियम में आयोजित प्रशिक्षण सत्र में बीएसएफ और यूपी एसएफ के अफसरों को संबोधित करते हुए कही। दरअसल प्रदेश में विधानसभा के लिए दूसरे चरण का मतदान 17 नवंबर को कराया जाना है। जिसमें जिले के कोरबा, रामपुर, कटघोरा व पाली तानाखार भी शामिल हैं। इन चारों विधानसभा में मतदान के लिए 1080 बूथ बनाए गए हैं, जहां 9 लाख 18 हजार 358 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। लोकतंत्र के महापर्व में मतदाता बिना डर व भय के हिस्सा ले सकें। विधानसभा चुनाव को पारदर्शिता के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराई जा सके।

इसके लिए जिला पुलिस अधीक्षक श्री शुक्ला ने सशस्त्र जवानों के 40 कंपनी की मांग की थी। मुख्यालय से 32 कंपनी आबंटित किए गए हैं। इनमें बीएसएफ के 16 और उत्तर प्रदेश सशस्त्र बल की 16 कंपनी 32 सौ अधिकारी व जवान शामिल हैं, जो कोरबा पहुंच चुके हैं। उन्हें अलग अलग स्थानों में ठहराया गया है। इन अधिकारी व जवानो की तैनाती चारों विधानसभा के मतदान केंद्रों में की जाएगी।

20 क्विंटल धान बिक्री की वजह से अब रबी में भी भारी मात्रा में धान की खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। शासन द्वारा सोसाइटियों के माध्यम से प्रति एकड़ के हिसाब से 20 क्विंटल धान खरीदी भले ही किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो हो रहा है, लेकिन इसके चक्कर में किसान रबी फसल में भी जिले के भारी मात्रा में धान की खेती करने की तैयारी में है।

किसानों का कहना है कि दलहन-तिलहन लगाने से नुकसान होने पर शासन-प्रशासन की ओर से उन्हें मुआवजा नहीं मिलता। पूर्व में भी प्रभावित किसानों को चना फसल की क्षतिपूर्ति की राशि आज तक नहीं मिली, इसलिए वे दलहन-तिलहन में रूचि नहीं दिखा रहे।

फसल चक्र परिवर्तन को लेकर ग्राम सुकुलदैहान, डोंगरगढ़ और डोंगरगांव क्षेत्र के विभिन्न गांव के किसानों का कहना है कि एक किसान धान ले रहा और पड़ोस का किसान चना ले रहा। इस स्थिति में धान लगाए किसान के खेत का पानी चना फसल को प्रभावित कर सकता है। चना फसल ज्यादा पानी से बर्बाद भी हो सकता है। इस परिस्थिति में भी कई किसानों को मजबूरन धान की खेती लेनी पड़ती है। ठेलकाडीह क्षेत्र के कुछ गांव के किसानों ने बताया कि वर्ष-2022-23 में रबी सीजन में उन्होंने अपने खेत में चना और सरसों की फसल लगाई थी। बेमौसम बारिश होने से चना और सरसों की फसल पूरी तरह से तबाह हो गई। इसमें किसानों को प्रति हेक्टेयर 25 हजार रुपए का नुकसान हुआ था। क्षतिपूर्ति राशि के लिए उन्होंने शासन-प्रशासन से कई बार गुहार लगाई, लेकिन आश्वासन के सिवाए कुछ नहीं मिला। यही वजह है कि किसान धान ही लगाना चाहते हैं।

कृषि विभाग से मिली जानकारी के अनुसार वर्ष-2022-23 में निर्धारित क्षेत्रफल में दहलन-तिलहन फसल लगवाने लक्ष्य रखा गया था, लेकिन कृषि विभाग के अफसरों का कहना है कि वे किसानों को प्रेरित कर सकते हैं, दबाव डालकर मजबूर नहीं कर सकते।

चुनाव आयोग की होम वोटिंग सुविधा हुई सफल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। चुनाव आयोग की होम वोटिंग की सुविधा जिले में काफी सफल हुई है। पंजीकृत लोगों में से 98 प्रतिशत बुजुर्गों एवं दिव्यांग मतदाताओं ने अपने घर में मताधिकार का उपयोग किया है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने पहली बार 80 वर्ष या इससे अधिक उम्र वाले मतदाताओं और 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओं को इस बार अपने घर में डाकमत पत्र के जरिए वोटिंग की सुविधा दी है।

जिले में पंजीकृत 567 में से 545 बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने इस सुविधा का लाभ उठाते हुए घर बैठे मतदान किया है। इस दौरान पंजीकरण कराने के बाद 12 बुजुर्गजनों का निधन भी हो गया। घर पर ही मतदान करने की सुविधा मिलने पर सभी ने गर्व महसूस करते हुए निर्वाचन आयोग के प्रति आभार जताया है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार जिले में 567 बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के जरिए घर बैठे मतदान का विकल्प लिया था। इनमें 80 वर्ष या उससे अधिक के 497 मतदाता एवं 70 दिव्यांग मतदाता शामिल है। होम वोटिंग का पहला चरण 8 नवम्बर से 10 नवम्बर के बीच हुई। 10 नवम्बर तक कुल 461 बुजुर्गों एवं 70 विकलांग मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट के जरिए अपने मताधिकार का उपयोग किया।

छूटे हुए शेष मतदाताओं के लिए दूसरे चरण का मतदान आज 13 नवम्बर को हुआ। इसमें कुल 14 लोगों ने मतदान किया। इन्हें मिलाकर कुल 545 लोगों ने पोस्टल बैलेट के जरिए घर बैठे अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें कोटा विधानसभा के 126, तखतपुर विधानसभा से 199, बिल्हा विधानसभा से 51, बिलासपुर विधानसभा से 90, बेलतरा विधानसभा से 111 और मस्तूरी विधानसभा से 68 मतदाता शामिल है।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मतदान दलों को सामग्री वितरण 16 को

रायपुर (ए)। जिले में 17 नवम्बर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मतदान दलों को सामग्री वितरण का कार्य 16 नवम्बर को कोनी स्थित शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर से सवेरे 8 बजे से शुरू होगा। सामग्री वितरण एवं वापसी के लिए बैरिकेडिंग सहित पूरी तैयारियां हो चुकी है। आज प्रार्थना सभाभवन में लगभग 300 कर्मचारियों को मतदान सामग्री वितरण व सामग्री वापसी के लिए प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक विधानसभावार 20 मतदान केंद्रों पर सामग्री वितरण व वापसी के लिए एक काउंटर बनाया गया है। इस प्रकार 6 विधानसभाओं के लिए कुल 76 कांउटर बनाए गए है। निर्वाचन सामग्री वापसी की कार्यवाही 17 नवम्बर को मतदान संपन्न होने के पश्चात शुरू होगी। वितरण की जाने वाली सभी सामग्रियों की लिस्टिंग उचित तरीके से करने के निर्देश प्रशिक्षण में दिए गए। नगर निगम कमिश्नर एवं प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी कुणाल दुदावत ने व्यवस्थित मतदान के लिए दलों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मतदान से सबंधित पूरी प्रक्रिया को बेहतर तरीके से समझते हुए अपने कार्यों को पूरा करना आपकी जवाबदेही है। प्रशिक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी शिवकुमार बनर्जी ने निर्वाचन सामग्री वितरण एवं वापस लेने के दौरान ड्यूटी देने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। प्रशिक्षण में जिले के मास्टर ट्रेनर एमटी आलम ने कहा कि मतदान दल के सदस्यों का ड्यूटी आदेश देखकर, सत्यापन करके ही उन्हें मतदान सामग्री दी जाये। उन्होंने मतदान सामग्री में व्हीव्हीपेट, कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट, बस्ता, ग्रीन पेपर सील, पिंक पेपर सील, निर्वाचक नामावली की चिन्हित प्रति, स्पेशल टैग व ब्रेल मतपत्र, वोटिंग कम्पार्टमेंट आदि सामग्री सूची सहित दी जाये तथा मिलान करके वापस सामग्री ली जाये। मास्टर ट्रेनर ने कहा कि मतदान दलों को वितरण की जाने वाली सामग्री के विषय स्पष्ट जानकारी नाम सहित होना चाहिए। इसके साथ ही दलीय भावना से इस महत्वपूर्ण कार्य का संपादन करना चाहिए। सभी सदस्य अपने दायित्वों का निर्वहन धैर्य पूर्वक करें। मास्टर ट्रेनर ने सामग्री वितरण करने वाले ड्यूटी स्टाफ को सामान देने और मतदान के बाद सामान जमा करते समय ध्यान रखने वाली बातों को विस्तार से समझाया। प्रशिक्षण में सभी 6 विधानसभा के संबंधित आरओ एवं अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में हमनाम प्रत्याशियों की पालिटिक्स में फंसी राष्ट्रीय पार्टियां

25 प्रतिशत सीटों पर हमनाम प्रत्याशी निर्दलीय लड़ रहे चुनाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दूसरे चरण के मतदान के लिए 17 दिसंबर को वोटिंग होनी है। कांग्रेस-भाजपा समेत सभी राजनीतिक दल धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। इस बीच 70 सीटों में से 25 प्रतिशत सीटों पर प्रत्याशी एक जैसे नाम वाले होने के कारण राष्ट्रीय पार्टियों के स्टार प्रचारकों को प्रत्याशी की जगह चुनाव चिन्ह के प्रचार पर जोर देना पड़ रहा है। कुछ जगह पर जानबूझकर भी हमनाम प्रत्याशियों को उतारा गया है। इसके पहले भी हमनाम पालिटिक्स में राष्ट्रीय फंसती रहीं है।

रायपुर संभाग में कसडोल विधानसभा सीट पर कांग्रेस-भाजपा दोनों ही प्रत्याशियों के खिलाफ हमनाम प्रत्याशी मैदान में हैं। यहां कांग्रेस ने संदीप साहू को टिकट दी है। संदीप साहू के नाम से एक निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं भाजपा की ओर से धनीराम धीवर चुनावी मैदान में हैं। उनके भी हमनाम धनीराम निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं। इसी प्रकार सरगुजा संभाग की प्रेमनगर सीट पर कांग्रेस-भाजपा दोनों ही दलों के अधिकृत प्रत्याशी के हमनाम भी चुनाव मैदान में उतर गए हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार एक-दूसरे पार्टी के प्रत्याशी के नाम को लेकर मतदाताओं को उलझन में डालने के लिए इस तरह राजनीति की जा रही है। प्रेमनगर सीट पर में कांग्रेस के प्रत्याशी खेलसाय सिंह मैदान में हैं। इसी नाम से एक निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं भाजपा के प्रत्याशी भूलन सिंह मरावी के नाम से ही भी एक निर्दलीय प्रत्याशी भूलन सिंह चुनावी मैदान में हैं।

बिलासपुर संभाग में तीन-तीन व्यास

बिलासपुर संभाग की जांजगीर-चांपा सीट से कांग्रेस ने व्यास कश्यप को टिकट दिया है। इस सीट पर तीन अन्य निर्दलीय व्यास कश्यप चुनावी मैदान में हैं। यहां भाजपा की ओर से नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल चुनाव लड़ रहे हैं। सरगुजा संभाग की सीतापुर सीट पर कांग्रेस की ओर से मंत्री अमरजीत भगत चुनाव लड़ रहे हैं। यहां भाजपा ने पूर्व सैनिक रामकुमार टोप्पो को चुनावी मैदान में उतारा है। रामकुमार के नाम से ही यहां दो अन्य निर्दलीय प्रत्याशी मैदान में हैं। इस तरह इस सीट पर तीन-तीन रामकुमार चुनावी मैदान में उतर आए हैं।

पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल और मंत्री डहरिया के भी हमनाम

बिलासपुर सीट पर भाजपा से पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल चुनावी मैदान में हैं। कांग्रेस से शैलेष पांडेय टक्कर दे रहे हैं। इस सी पर परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया से अमर रूपानी चुनावी मैदान में हैं। इसी तरह रायपुर संभाग के आरंग में मंत्री डॉ. शिवडहरिया के चुनावी मैदान में निर्दलीय प्रत्याशी शिवकुमार मैदान में हैं। रायपुर के धरसींवा विधानसभा सीट पर रवि कुमार, रविदास चुनावी मैदान में हैं। इसी तरह कोटा सीट से दो मनोज कुमार लड़ रहे हैं। जशपुर सीट से दो प्रदीप चुनाव लड़ रहे हैं।

अन्य सीटों पर भी यही स्थिति

सक्ती:- विधानसभा सीट सक्ती से भाजपा ने डा. खिलावन साहू को चुनावी मैदान में उतारा है। उनके सामने विधानसभा अध्यक्ष डा. चरणदास महंत लड़ रहे हैं। यहां एक निर्दलीय प्रत्याशी खिलावन साहू भी चुनावी मैदान में हैं।

भटगांव सीट:- भटगांव में कांग्रेस ने पारसनाथ राजवाड़े को चुनावी मैदान में उतारा है। यहां निर्दलीय प्रत्याशी भी पारसनाथ राजवाड़े लड़ रहे हैं।

कोरबा:- कोरबा सीट पर भाजपा के प्रत्याशी लखनलाल देवांगन के सामने हमनाम प्रत्याशी लखनलाल देवांगन चुनावी मैदान में हैं।

पाटन:- पाटन विधानसभा हाईप्रोफाइल सीट पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कांग्रेस के प्रत्याशी हैं। भाजपा से सांसद विजय बघेल लड़ रहे हैं। यह जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ के अमित जोगी चुनावी मैदान में हैं। अमित कुमार हिरवानी भी आम आदमी पार्टी से चुनावी मैदान में हैं।

प्रतापपुर:- सरगुजा की प्रतापपुर विधानसभा सीट पर भाजपा ने शकुंतला सिंह पोर्ते चुनावी मैदान में हैं। इस सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी शकुंतला भी चुनाव लड़ रही हैं।

रामानुजगंज:- विधानसभा सीट रामानुजगंज से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. अजय कुमार तिर्की चुनाव लड़ रहे हैं। यहां एक निर्दलीय प्रत्याशी अजय तिर्की भी चुनाव लड़ रहे हैं।

दुर्ग शहर:- दुर्ग शहर सीट पर कांग्रेस के प्रत्याशी अरुण वोरा के नाम से एक निर्दलीय प्रत्याशी अरुण जोशी चुनाव लड़ रहे हैं।

रायपुर-दक्षिण:- रायपुर-दक्षिण विधानसभा सीट से भाजपा से पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, कांग्रेस से महंत रामसुंदर दास चुनाव लड़ रहे हैं। यहां यहां दो ठाकुर जोहर छत्तीसगढ़ से मनीष कुमार ठाकुर और समाजवादी पार्टी से मनीष श्रीवास्तव चुनाव लड़ रहे हैं।

महासमुंद:- महासमुंद सीट पर भाजपा के प्रत्याशी योगेश्वर राहू सिन्हा के सामने निर्दलीय प्रत्याशी योगेश ठाकुर चुनाव लड़ रहे हैं।

अवैध शराब बेचते 13 कोचिया गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी पुलिस ने अवैध शराब बेचने वाले 13 कोचियो को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 264 पाव देशी शराब व नकदी 2130 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मिली जानकारी के अनुसार सरस्वती नगर पुलिस ने अवैध शराब बेचते आरोपी राज सिक्का 35 वर्ष के पास से 19 पाव देशी शराब एवं बिक्री रकम 300 रुपए। वहीं गंज पुलिस ने आरोपी अलगर 50 वर्ष के पास से 48 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह खरोरा पुलिस ने आरोपी रामचंद वर्मा 36 वर्ष, रोहित कुमार कोसले 50 वर्ष, हेमंत वर्मा 20 वर्ष, राहुल बघेल 22 वर्ष, पीलेश कुमार कंवर 25 वर्ष, कुमार गौरव बंजारे 26 वर्ष व मनोज कुमार वर्मा 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन लोगों के पास से कुल 136 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 1150 रुपए जब्त किया है। वहीं विधानसभा पुलिस ने आरोपी पूरन निषाद 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 17 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 300 रुपए जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने आरोपी दीपक यादव 30 वर्ष व भागदास रात्रे 48 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से 43 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपी जुगल कंपाल 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 21 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 350 रुपए जब्त किया है।

रात 10 बजे के बाद फटाखे फोड़ने वालों पर हुई कार्यवाही, 17 लोगों के खिलाफ हुआ एक्शन

रायपुर (ए)। उच्चतम न्यायालय ,उच्च न्यायालय एवं NGT के प्रावधानों का उल्लंघन कर रात 10:00 बजे के बाद तेज आवाज वाले फटाखे फोड़ने वालों पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

इसी तारतम्य में आम जनता द्वारा रात्रि 10:00 बजे के बाद तेज आवाज वाले फटाखे फोड़ने वालों के विरूद्ध लगातार प्राप्त शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत अग्रवाल द्वारा समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों-

थाना प्रभारियों को रात्रि 10:00 बजे के बाद तेज आवाज वाले फटाखा फोड़ने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है। जिस पर कल यानी 13 नवंबर को थाना सिविल लाईन, उरला, कोतवाली, पंडरी, देवेन्द्र नगर, खमतराई, गुढ़ियारी, टिकरापारा, डीडी नगर एवं आजाद चौक क्षेत्र में रात्रि 10:00 बजे के बाद तेज आवाज वाले फटाखा फोड़ने के साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के आदेशों एवं निर्देशों का उल्लंघन करते पाये जाने पर कुल 17 व्यक्तियों के विरूद्ध ध्वनि प्रदुषण अधिनियम के तहत् कार्यवाही करते हुए उनके कब्जे से तेज आवाज वाले बड़े फटाखे जप्त कर संबंधित थानों में कार्यवाही किया गया।

दूसरे चरण में 958 प्रत्याशी मैदान में, 236 उम्मीदवार करोड़पति, कांग्रेस में सर्वाधिक अमीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चुनाव के दूसरे चरण में 958 प्रत्याशी मैदान में है। इन प्रत्याशियों में 236 करोड़पति है। नामांकन पत्र के साथ दिए शपथपत्रों के मुताबिक, कांग्रेस के 60, बीजेपी के 57, आम आदमी पार्टी के 19, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी के 26, बीएसपी के 15, हमर राज पार्टी के 7, गोडवाना गणतंत्र पार्टी के 4, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के 4

और निर्दलीय 44 करोड़पति प्रत्याशी किस्मत आजमा रहे हैं।

कांग्रेस के टीएस सिंहदेव 447 करोड़ की संपत्ति के साथ सबसे अमीर प्रत्याशी हैं। मुंगेली सीट से नेशनल यूथ पार्टी से चुनाव लड़ रहे राजरत्न उइके ने सबसे कम अपनी कुल संपत्ति 500 रुपए बताई है। 499 प्रत्याशियों की योग्यता 5वीं से 12वीं तक है। 405 ने अपनी योग्यता स्नातक और उससे ज्यादा बताई है। चुनाव लड़ रहे 21 प्रत्याशियों ने अपने आपको डिप्लोमाधारी बताया है। 19 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता साक्षर और 6 उम्मीदवारों ने अपनी शैक्षिक योग्यता असाक्षर बताई है।

लालगंगा पटवा भवन में महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव का भव्य समापन

धर्मसभा में निर्मित हुआ प्रभु महवीर का परम व चरम समोशरण

रायपुर (ए)। लालगंगा पटवा भवन में आज प्रात: 5.25 बजे महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव की शिखर आराधना प्रारंभ हुई। धर्मसभा ऐसी प्रतीत हो रही थी, मानो राजा हस्तिपाल की रजुकसभा, जहां प्रभु महावीर का परम और चरम समोशरण निर्मित हुआ था। भगवान महावीर ने अपने निर्वाण से पहले पावापुरी के राजा हस्तिपाल की रजुकसभा में 48 घंटों तक अपने अमृत वचनों की वर्षा की थी। परमात्मा की अंतिम देशना सुनने के लिए देवताओं के साथ इंद्र भी धरती पर उतरे थे। 18 राजा, हजारों साधु-साध्वियां और संसार के समस्त प्राणी इस सभा में उपस्थित थे। महावीर के निर्वाण के बाद इंद्रभूति गौतम को केवलज्ञान प्राप्त हुआ था और सुधर्मा स्वामी का पट्टारोहण। सोमवार को लालगंगा पटवा भवन में महावीर निर्वाण कल्याण महोत्सव के साथ गौतम स्वामी केवलज्ञान महोत्सव तथा सुधर्मा स्वामी के पट्टारोहण के साथ 21 दिवसीय उत्तराध्ययन श्रुतदेव आराधना और महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव का भव्य समापन हुआ। उक्ताशय की जानकारी रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने दी।

उपाध्याय प्रवर प्रवीण ऋषि ने निर्वाण कल्याणक महोत्सव के शिखर दिवस धर्मसभा में उपस्थित श्रावकों से कहा कि कल्पना करें कि यह लालगंगा पटवा भवन पावापुरी के राजा हस्तिपाल की रजुकसभा है, जो अब प्रभु महावीर का चरम-परम समोशरण है, तीर्थ भूमि है। न फूलों की वर्षा है, नजर केवल प्रभु पर है। उस प्रभु के चरणों में वंदन करते हुए प्रभु की अनुत्तरदेशन का वरदान ग्रहण करते हुए प्रभु की परिनिर्वाण कल्याणक की अनुभूति करने के लिए उनसे आज्ञा ग्रहण करें कि प्रभु अपने सानिध्य में रहते हुए जो अनुभव भविजीवों ने किया, वही अनुभव आपके तीर्थंकर नामपुण्य से हमें हो। आपके परिनिर्वाण कल्याणक की आराधना करते हुए जैसे अनंत जीव मोक्ष को प्राप्त हुए, वैसे ही मार्गदर्शन हमें प्रदान करें। आपकी कृपा से अनंत जीव मोक्ष मार्ग पर चल रहे हैं, हमें भी चलने की कृपा बरसाएं। स्वर्ग और मोक्ष का परम तत्व का मंगलकारी प्रकाशन करती प्रभु की दिव्या वाणी चल रही

है। पूरा समोशरण पशु-पक्षी, देव-देवेंद्र, नर-नरेंद्र, श्रमण-श्रमणेन्द्र, प्रभु की दिव्या ध्वनि की समाधी में तन्मय हैं। आंख मुंदी हुई है सब की। केवल प्रभु के उस अमृत रस को पीते जा रहे हैं।

उपाध्याय प्रवर ने कहा कि इंद्रभूति गौतम अश्वथ वृक्ष के नीचे देवशर्मा को लेकर आए, प्रभु चरणों में समर्पित करना है। राह में सूर्यास्त हो गया, पेड़ के नीचे आसन लगा लिया। अपने दिव्यज्ञान से इंद्रभूति गौतम निरंतर प्रभु के उन अनुत्तर स्पंदनों के साथ जुड़ रहे हैं, और उनकी अनुभूति कर रहे हैं। वाणी बरस रही है, प्रभु परम ध्यान में हैं, प्रभु ने अपने स्थूल मन के स्पंदनों को स्तब्ध कर दिया। इंद्रभूति गौतम स्पंदनों को महसूस करने का प्रयास कर रहे हैं, प्रभु ने अपनी वाणी के स्पंदनों को रोक दिया। वे प्रभु के मन को भी नहीं देखा पा रहे हैं। प्रभु की चेतना सिद्ध शिला पर पहुंच गई। सभा में सुधर्मा स्वामी ने आंख खोलकर देखा कि वाणी निरुद्ध क्यों है? प्रभु के तेजस और कर्मण शरीर पूरे विश्व में व्याप्त हो गए। औदारिक शरीर देखा सुधर्मा स्वामी ने, और नमन किया। इंद्रभूति गौतम तड़प उठे। और उसी समय उन्हें केवल ज्ञान प्राप्त हो गया। वे सभा में पहुंचे। सुधर्मा स्वामी इंद्रभूति गौतम की ओर बढ़ते हैं और कहते हैं कि प्रभु के स्थान पर आप विराजो, अब तुम ही कल्याण स्वरुप हो, अब तुम ही परमात्मा स्वरुप हो। इंद्रभूति गौतम ने परिषद् में कहा कि प्रभु के इस कार्य को कौन करेगा? सुधर्मा प्रभु के सूर्य प्रकाश को तुम विश्व में पहुंचाओगे, उनकी वाणी को संसार के समस्त प्राणियों तक पहुंचाओगे। तुम्हारे द्वारा ही विश्व प्रभु से जुड़ेगा। जहां महावीर का सिंहासन लगा हुआ था, सुधर्मा स्वामी जैसे ही उसके पास बैठने का प्रयास करते हैं, देवता उनके लिए एक सिंहासन बनाते हैं, उनके ऊपर चक्र धारण करते हैं इंद्र के उत्तराधिकारी के रूप में, और सुधर्मा स्वामी का अभिषेक करते हैं।

रायपुर श्रमण संघ के अध्यक्ष ललित पटवा ने अपने संबोधन में कहा आज के लाभार्थी स्वयं महावीर हैं। धर्मसभा में, परमात्मा के आंगन में स्थापित गौतमलब्धि पात्र में जो मेवे है, यही गुरुप्रसादि है और इससे कोई भी वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने महावीर निर्वाण कल्याणक समिति के सदस्यों का आभार व्यक्त किया, जिनकी सहभागिता के चलते यह आयोजन इतना भव्य और ऐतिहासिक हुआ। उन्होंने सकल जैन समाज को इस आयोजन से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने अर्हम विज्जा की सोशल मीडिया टीम को भी धन्यवाद दिया। आज तेला का भी पारणा हुआ। शिखर दिवस के लाभार्थी हुकमचंद पटवा परिवार रहे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

जीन्स
टी-शर्ट
शर्ट
ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंग रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोनः 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel
Apana Keshari Lodge, Power House,
Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

9 टिप्स लाइफ में बनाएं बैलेंस

रितु कितना भी कोशिश कर ले, दफ्तर का तनाव उस पर हावी ही रहता है। जैसे ही कोई काम आता है उसे करना आरंभ कर देती है। जब वह कार्य के मध्य तक पहुंचती है तो बौस के निर्देश बदल जाते हैं। नतीजतन रितु चिड़चिड़ाहट से भर उठती है। वह इतना अधिक चिड़चिड़ाती है कि घरपरिवार में भी उस की लड़ाई हो जाती है। इस तनाव के कारण वह बहुत बार गलत डिसीजन भी ले लेती है। खुल कर हंसना क्या होता है वह भूल चुकी है। चाह कर भी रितु खुद को कंट्रोल नहीं कर पाती है। जैसे ही कोई कार्य आता है वह बिना सोचे-समझे उसे करने में जुट जाती है। थके मन से कार्य करने के कारण उस की वर्क ऐफिशिएंसी जीरो हो गई। रितु का मन सोचता नहीं बल्कि दौड़ता है, उसके आस-पास आने से लोग कतराते हैं। उधर घर में भी रितु सारे कार्य खुद के ही सुपरविजन में करवाती। घर के कामों के लिए किसी पर विश्वास नहीं कर पाती है। रितु हाई ब्लड प्रैशर, डायबिटीज की मरीज बन चुकी है। दफ्तर और घर के लोग अब उस से कन्नी काटते हैं। आज भी रितु तनाव में जी रही है पर अब तनाव काम से हट कर सेहत का हो गया है।

पूजा को भी यही बीमारी है। दफ्तर से ले कर घर का हर कार्य खुद ही करने की उस की आदत हो गई है। लगता है कि उस के बिना कोई काम ठीक से नहीं हो सकता है पूजा को हर काम खुद करना भी होता और फिर सब के सामने रोना भी होता कि घर और दफ्तर में कोई भी कार्य उस के बिना नहीं हो सकता है। इस का नतीजा यह निकला कि आसपास के लोगों में पूजा हंसी का पात्र बन गई है। सब को लगता है पूजा लाइमलाइट में रहने के लिए ऐसा करती है। इसलिए अब उस के रोने का न घर में और न ही दफ्तर में किसी पर असर होता है। जब भी कोई काम होता है तब सब को पूजा की याद आती है। खाली समय पूजा को भी काटने को दौड़ता है क्योंकि उसे खुद नहीं पता है कि खुद के साथ समय कैसे व्यतीत होता है। वह एक प्रोग्राम्ड रोबोट बन गई है। कुमुद घर की सब से बड़ी बहू थी। वह एक भरे पूरे परिवार में रहती थी। धीरे-धीरे वह कब कुमुद से भाभी, चाची, ताई और मामी बन गई उसे खुद ही नहीं पता चला। परिवार की हर शादी और हर फंक्शन में वह बढ़चढ़ कर हिस्सा लेती थी।

कुमुद अपनेआप को तो कहीं पीछे छोड़ आई थी। अपने बुटीक का सपना परिवार की जिम्मेदारियों में कहीं स्वाहा हो गया था। मगर जब कुमुद का संयुक्त परिवार अलग हो गया तो उस के पास बहुत अधिक समय हो गया। उस ने अपने पुराने सपने को फिर से जिंदा करा और अपने घर में ही छोटा सा बुटीक खोल लिया था और देर से ही सही खुद का सपना पूरा कर लिया।

आप को अपने परिवार में या दफ्तर में ऐसे उदाहरण देखने को आराम से मिल जाएंगे जो पूरे दफ्तर या घर की धुरी को संभाल कर रखते हैं। हर कार्य चाहे छोटा हो या बड़ा उन के बिना पूरा नहीं होता है। काम करत-करते वे इतने ओवरवर्कड हो जाते हैं कि उन की खुद की प्रोडक्टिविटी जीरो हो जाती है।

रिश्तों के नाम पर, शौक के मामले में, हर तरह से वे शून्य हो जाते हैं। इंसान हो कर भी वे मशीन का जीवन जीते हैं।

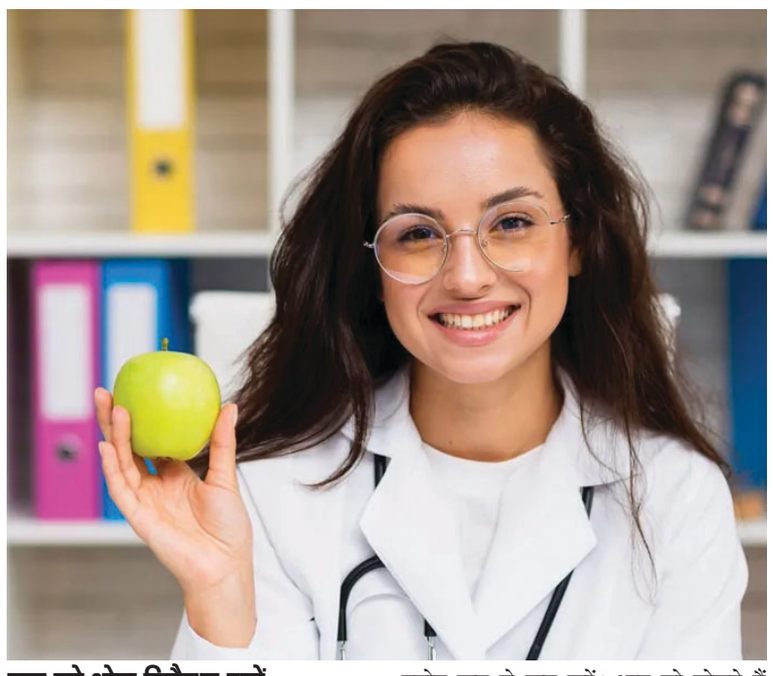

क्या करें और कैसे करें ताकि आप अपनी प्रोफैशनल, पर्सनल और सोशल लाइफमें बैलेंस बना सकें?

हर समय अवेलेबल न रहें

कुछ लोगों की आदत होती है कि वे हर समय काम करने के लिए तत्पर रहते हैं। घर हो या दफ्तर वे हर काम को करने के लिए अवेलेबल रहते हैं। जाने-अनजाने सारे काम का भार उन के सिर पर ही आ जाता है। थके हुए मन और तन से वे कितना काम कर पाएंगे? धीरे-धीरे उन की प्रोडक्टिविटी जीरो हो जाती है। छुट्टी के दिन और नौर्मल दिन में उन के लिए कोई फर्क नहीं रह जाता है। नतीजतन ऐसे लोग हर समय चिड़चिड़ाने लगते हैं।

खुद को थोड़ा रिलैक्स रखें

24 घंटे काम में ध्यान न लगाएं, थोड़ी देर आंखें बंद कर के यों ही बैठ जाएं। अगर बहुत सारे काम पाइपलाइन में हैं तो कामों को प्रायोरिटाइज करें। अगर कुछ काम छूट जाते हैं तो उन्हें छोड़ दे। आप हर काम के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। कुछ जिम्मेदारी अपने लिए भी लें।

हर समय लीड न करें

घर हो या दफ्तर हर समय लीड लेने से बचें। कभी-कभी दूसरों को भी नेतृत्व करने का मौका दें। जिन लोगों को लीड लेने की आदत होती है वे अकसर अपनी टीम में दोगुना काम करते हैं। काम उतना ही करें जितना आप का शरीर इजाजत दे।

दफ्तर का तनाव दफ्तर में ही रखें

दफ्तर में तनाव हो सकता है मगर उसे घर पर मत ले कर आएं। जैसे आप दफ्तर में घर का काम नहीं करती हैं वैसे ही दफ्तर का काम घर पर मत ले कर आएं। दफ्तर का तनाव वहां ही छोड़ आएं, अपने बच्चों या परिवार के सदस्यों पर बेवजह गुस्सा न करें। याद रहे घर में आप के टाइम पर उन का पूरा हक है।

घर में करें काम विभाजित

जैसे दफ्तर में हर काम को विभाजित करा जाता है वैसे ही घर पर भी करें। खुद को अपनी मां या सास से कंपेयर न करें। घर के जितने काम के लिए आप जिम्मेदार हैं उतनी ही जिम्मेदारी अपने पति को भी दें। खुद को देवी नहीं, एक औरत ही रहने दें।

पौजिटिव वोकैबुलरी का करे प्रयोग

कोशिश करें कि नकारात्मक शब्दावली का प्रयोग कम से कम करें। आप जो बोलते हैं उस की ऐनर्जी आप के चारों तरफ रहती है। अपनी वोकैबुलरी में बस सकारात्मक शब्दों को ही स्थान दें। आप जैसे बोलेंगे वैसा ही सोचेंगे और जैसा सोचेंगे वैसा ही हो जाएगा।

न कहना सीखें

अपनेआप को वरीयता दें, खुद को हर समय अवेलेबल न रखें। फिर चाहे घर हो या दफ्तर। जो काम करना नहीं चाहती हैं, उसे न कहना सीख लें। अपनेआप को वरीयता देना सीखें। हमेशा दूसरों को खुश करने के चक्कर में कहीं खुद को ही नाराज न कर दें।

हर काम में परफैक्शन न ढूंढें

अगर आप को हर काम में परफैक्शन ढूंढ़ने की आदत है तो आप हमेश ही नाखुश रहने वाले हैं। काम को काम की तरह ही करें, उस के लिए अपनेआप को स्वाहा न कीजिए। परफैक्शन ढूंढ़ने वाले लोग हमेशा परेशान ही रहते हैं। कुछ काम को सीधे-सादे ढंग से करना होता है और कुछ काम को बहुत परफैक्टली करना ही होता है। अगर आप ऐसा करना सीख लेंगी तो आप की जिंदगी आसान हो जाएगी।

बदलाव का करें स्वागत

जिंदगी में एक ही चीज स्थाई है और वह है बदलाव यानी चेंज। कोई रिश्ता, कोई काम कभी भी एक सा नहीं रहता है। आप आज अपने बच्चों के लिए जरूरी होंगे मगर कल उन के लिए आप शायद फालतू बन जाएं, इस बात को याद रखें और खुद को वरीयता देना सीखें वरना बाद में आप की जिंदगी रोतेबिसूरते ही बीतेगी। दूसरों को भी समय दें मगर खुद की जिम्मेदारी उठाना और खुद के लिए समय देना बेहद जरूरी है।

ज्यादा प्रदूषण के कारण बढ़ रही है बच्चों में मोटापे की परेशानी

हाल ही में हुई एक शोध की माने तो अधिक वायु प्रदूषण वाली जगहों पर रहने वाले बच्चे दूसरे बच्चों की अपेक्षा अधिक मोटे होते हैं। कारण है कि वो अधिक जंक फूड खाते हैं। शोधकर्ताओं का दावा है कि वायु प्रदूषण का स्तर अधिक होने के कारण बच्चे अधिक जंक फूड का सेवन करते हैं। वायु में प्रदूषण का स्तर अधिक होने के कारण बच्चों में हाई ट्रांस फैट डाइट का सेवन 34 फीसदी तक बढ़ जाता है। स्टडी में ये भी पाया गया कि ऐसे वातावरण में बच्चे घर का खाना खाने से ज्यादा बाहर का खाना पसंद करते हैं।

हालांकि बच्चों की आदत में इस बदलाव के पीछे के कारण का ठीक ठीक पता नहीं लगाया जा सका है। पर जानकारों की माने तो इसका सीधा संबंध वायु प्रदूषण से है। जानकारों का मानना है कि प्रदूषण से शरीर को खाने से मिलने वाली एनर्जी और ब्लड शुगर पर प्रभाव पड़ता है और भूख भी कम लगती है।

शोधकर्ताओं की माने को वायु प्रदूषण के स्तर में कमी कर के मोटापे के इस परेशानी को कम किया जा सकता है। अमेरिका में हुए इस शोध में करीब 3100 बच्चों को शामिल किया गया था। इन सभी बच्चों में वायु प्रदूषण से उनके रेस्पिरेटरी सिस्टम पर होने वाले प्रभाव की जांच की गई।

स्टडी में शामिल बच्चों से उनकी खान पान की आदतों के बारे में जानकारी ली गई। वो कब और क्या खाते हैं इस आधार पर इस स्टडी के निष्कर्ष पर पहुंचा गया है। आपको बता दें कि इस शोध में स्टडी में शामिल सभी लोगों के घर के आसपास में मौजूद बिजली संयंत्रों में और गाड़ियों से निकलने वाले प्रदूषण की मात्रा की जांच की गई थी।

इस जांच में पाया गया कि प्रदूषण के अधिक स्तर वाले क्षेत्र में रहने वाले बच्चों ने हाई ट्रांस फैट डाइट का सेवन करते हैं। स्टडी के नतीजों में शोधकर्ताओं ने पाया कि अधिक वायु प्रदूषण में रहने वाले बच्चे 34 फीसदी ज्यादा ट्रांस फैट डाइट का सेवन करते हैं।

बड़े काम के हैं ये फर्टिलिटी एप्स

इस डिजिटलाइजेशन के दौर ने हमारी जिन्दगी को बहुत ही आसान बना दिया है। आज हर इंसान रफ्तार को पसंद करता है और यही कारण है कि वो हर बात का जवाब जल्द से जल्द चाहता है। यही कारण है कि आज विभिन्न ऐप्स बहुत ही तेज़ी से लोकप्रिय हो चाहे वो ट्रेवलिंग हो, कौलिंग या फिर चैटिंग हर चीज के लिए आज बहुत सारे ऐप्स आ गए है जो आज-कल बहुत ज़्यादा पौपुलर हो गए हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ऐसे भी कई एप्स हैं जो आपको कंसीविंग के लिए सही टाइमिंग के अलावा अन्य भी बहुत सी उपयोगी जानकारियां भी देते हैं।

फर्टिलिटी फ्रेंड

यह सटीक रूप से आपके अंडाणु की तारीख और फर्टाइल दिनों का अनुमान लगा लेता है । इतना ही नहीं यह ऐप आपके शरीर के तापमान, ग्रीवा द्रव इत्यादि जैसे प्रजनन के लक्षणों की व्याख्या भी करता है। इसके अलावा इसमें आप एक अलार्म का उपयोग कर सकते हैं जो आपको दैनिक प्रविष्टि में फीड करने की याद दिलाता है। आप वीडियो, क्विज़, ईपुस्तक, ट्यूटोरियल आदि जैसे शैक्षणिक संसाधनों द्वारा उसी विषय पर अपना ज्ञान बढ़ा सकते हैं।

ग्लो ओव्यूलेशन और फर्टिलिटी ट्रैकर

यह एप आपको गर्भावस्था की योजना बनाते समय आपकी प्रजनन क्षमता पर एक टैब रखता है। मासिक धर्म, मूड स्विंग आदि से से सम्बंधित जानकारियां देता है। यह बहुत लाभकारी है तथा अगर आप यदि आईवीएफ उपचार से गुजर रहे हैं तो यह आपके लिए बहुत ही उपयोगी साबित होता हैं, क्योंकि यह अंडाशय के डेटा का सटीक विश्लेषण करने में सक्षम है। महिलाओं के अलावा पुरुष भी इस ऐप का इस्तेमाल अपने स्वास्थ्य को रिकॉर्ड कर सकते हैं और अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

किंडरा

इसका प्रयोग दुनिया भर में 1.2 मिलियन से ज्यादा महिलाएं प्रयुक्त करती हैं। एन्कोडिंग के लिए विशेष रूप से एक विशेष फीचर वंक है तथा एक वायरलेस बीबीटी थर्मामीटर जो सेंसर के माध्यम से तापमान पर नजर रखता है। इसके साथ ही यह महिलाओं के गर्भाशय ग्रीवा के तरल पदार्थ पर नजर रखता है व गर्भधारण करने के लिए सबसे अच्छा समय दर्शाता है। यह ऐप एंड्रॉइड और आईओएस पर आसानी से उपलब्ध है।

क्लू

इस ऐप के माध्यम से, आप आसानी से अपने मासिक धर्म चक्र, सेक्स, दर्द, मूड स्विंग आदि को ट्रैक कर सकते हैं। चक्र एप में एक अनूठी विशेषता है जो प्रजनन चक्र का एक पूर्वावलोकन देता है।

ओविया फर्टिलिटी

यह मुख्य रूप से आईफोन में ही चलता है। इस ऐप से आप एक विस्तृत विश्लेषण के माध्यम से पूर्ण स्वास्थ्य की निगरानी कर सकते हैं। इस ऐप में कई संकेतक होते हैं जो प्रजनन क्षमता का अनुमान लगाते हैं।

अच्छी सेहत के लिए जरूरी है हर दिन बस एक कप ग्रीन टी

बदलती लाइफस्टाइल और काम के बढ़ते दवाब के बीच अगर एक कप ग्रीन टी ग्रीन टी ली जाए तो आपके स्वास्थ्य पर सकारात्मक असर पड़ेगा। एक नियत मात्रा में प्रतिदिन ग्रीन टी का सेवन आपकी सेहत के लिए कई तरह से फायदेमंद साबित हो सकता है। कई शोध में भी ग्रीन टी सेहत के लिए फायदेमंद बताया गया है, लेकिन ध्यान रखें कि जरूरत से ज्यादा ग्रीन टी आपके शरीर को नुकसान भी पहुंचा सकती है, इसलिए जरूरी है कि आप अधिक मात्रा में ग्रीन टी का सेवन न करें। क्या आपको पता है कि ग्रीन टी पीने के अनेक फायदे हैं, आइये जानते हैं इसके असली फायदों के बारे में।

मानसिक शांति

यदि आप पर घर और ऑफिस मे काम का दबाव होता है और आप कुछ काम करने के बाद ही मानसिक रूप से थकान महसूस करने लगती हैं तो ग्रीन टी आपके इस मानसिक थकान को भगाने के लिए अच्छा रहेगा। ग्रीन टी में थेनाइन तत्व होता है, जिसमें एमिनो एसिड बनता है। एमिनो एसिड शरीर में ताजगी बनाए रखता है और आपको थकावट महसूस नहीं होने देता। जिससे आपको हमेशा ताजगी का एहसास होता है और मानसिक शांति भी मिलती है।

वजन कम करें

वजन कम करने में भी ग्रीन टी काफी हद तक सहायक है। ग्रीन टी पीने से आपके शरीर का मेटाबालिज्म बढ़ता है, जिससे पाचन क्रिया संतुलित रहती है। ऐसा होने से व्यक्ति का अतिरिक्त वजन कम होता है

नार्मल ब्लडप्रेशर

भागदौड़ भरी जिंदगी और ऑफिस की बढ़ती टेंशन के बीच उच्च रक्तचाप की अक्सर ही लोगों को उच्च रक्तचाप की समस्या का सामना करना पड़ता है। उच्च रक्तचाप आपके शरीर में अन्य कई बीमारियों का कारण भी हो सकता है। इसलिए यदि आपको ब्लड प्रेशर की समस्या है तो रोजाना ग्रीन टी पिए। इसे पीने से आपकी यह परेशानी नार्मल रहेगी। रक्तचाप सामान्य रहने से आपको गुस्सा भी नहीं आएगा।

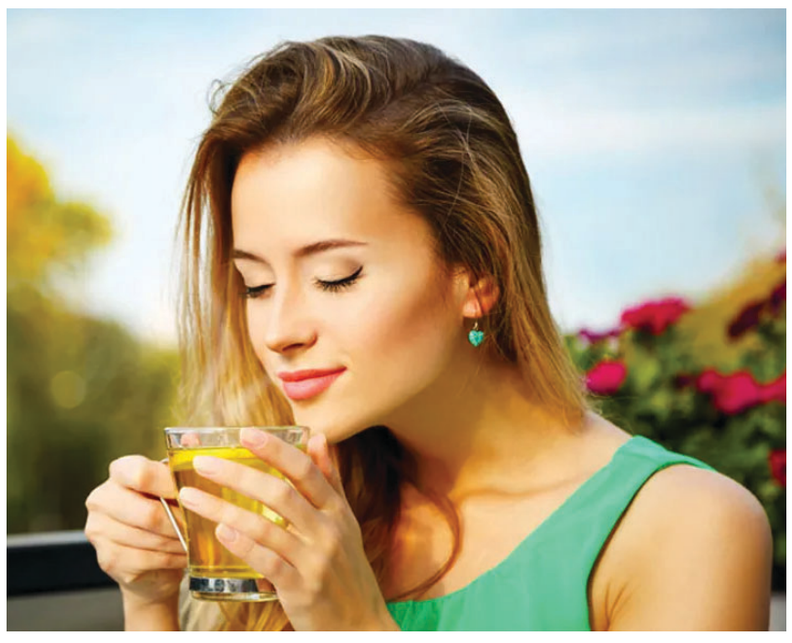

कोलेस्ट्राल घटाएं

दिल के रोगियों के लिए ग्रीनटी का सेवन बहुत फायदेमंद है। ये शरीर में बेड कोलेस्ट्राल को कम करके गुड कोलेस्ट्राल को बढ़ाने में मददगार होती है। यदि आप आयली भोजन करती हैं तो आपको नियमित रूप से ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए।

डायबिटीज में फायदेमंद

यदि आपके शरीर में शुगर लेवल बढ़ रहा है तो ग्रीन टी का सेवन आपको बहुत फायदा पहुंचाता है। इसके अलावा जिन रोगियों को डायबिटीज की दिक्कत हैं तो उन्हें प्रतिदिन सुबह उठकर एक कप ग्रीन टी पीनी चाहिए। यह आपके शरीर में मौजूद शुगर लेवल को कंट्रोल करने में आपकी मदद करता है। मधुमेह रोग से पीड़ित व्यक्ति को भोजन के बाद ग्रीन टी का सेवन करना चाहिए।

त्वचा में चमक

ग्रीन टी में एंटी एजिंग तत्व पाया जाता है जो आपकी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद हैं। इसका सेवन करने से आपके चेहरे पर हमेशा चमक और ताजगी बनी रहती है साथ ही चेहरे की झुर्रियां भी कम होती है, इसके अलावा इसे पीने से आप चुस्त-दुरुस्त रहती हैं।

दांतों के लिए वरदान

आजकल युवा और बुजुर्गों में दांतों में पायरिया और केविटी की समस्या तेजी से बढ़ रही है। ग्रीन टी में पाया जाने वाले कैफीन दांतों में लगे कीटाणुओं को मारने में सक्षम होता है। बैक्टीरिया कम होने से आपके दांत लंबे समय तक सुरक्षित रहते हैं। इसलिए अगर आपको दांतो की समस्या है तो रोजाना एक कप ग्रीन टी का सेवन करना न भुलें, इससे आपके मसूड़ो में भी मजबूती आती है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 : महासमुंद और मुंगेली में पीएम मोदी की सभा

पीएम मोदी का दावा तीन दिसंबर को छग में बन रही है भाजपा की सरकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद/मुंगेली। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण का प्रचार जोर शोर से हो रहा है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सातवीं बार छत्तीसगढ़ के दौरे पर पहुंचे। पीएम मोदी ने इस दौरान महासमुंद व मुंगेली में आमसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी पहले महासमुंद पहुंचे जहां उन्होंने माता खल्लारी और राम चंडी देवी के भक्तों को बधाई दी।

महासमुंद के बेमचा भाठा मैदान में आयोजित विजय संकल्प महारैली में पीएम नरेंद्र मोदी ने शिरकत की। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और महासमुंद लोकसभा के सभी विधानसभा के प्रत्याशियों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। यहां पीएम नरेंद्र मोदी ने जय जोहर से भाषण की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में तीन दिसंबर को भाजपा सरकार बन रही है है। मैं उसका निमंत्रण देने आया हूं। आपको सब

संकट से उबारने आया हूं।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि गरीब का सपना होता है कि उसका अपना और पक्का घर हो। कच्चे मकान में जो आबादी होती है वह गरीबों की होती है। 2014 में जब मैं पीएम बना, तब चार करोड़ घर गरीबों को दिए। यह आंकड़ा बहुत बड़ा है। छत्तीसगढ़ में जब तक भाजपा थी सब ठीक होता था। मुझे खुशी है कि मैं यहां छत्तीसगढ़ से शुरू से जुड़ा हूं। संगठन में काम किया हूं। गांव, गली और मोहल्ले में गया हूं। 10 लाख से अधिक आवास भाजपा शासन में बने। पहले चरण में सुफ्ड़ा साफ हो गया है। मुझे व्यक्तिगत खुशी है, जैसे ही भाजपा की सरकार आएगी मुझे गरीबो का मकान देने का सौभाग्य मिलेगा। 18 लाख गरीबों को मकान देना पक्का कर लिया है, उसका पुण्य आप सभी को मिलेगा।

भगवान राम सी जुड़े हर जगह को संवारा जा रहा

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि महासमुंद दक्षिण कौशल की राजधानी है। यहां की संस्कृति अलग है। भगवान राम सी जुड़े हर जगह को संवारा जा रहा है। आदिवासी संस्कृति को निखारा जा रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा ने यहां धान किसानों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का धान खरीदा है। अब छत्तीसगढ़ भाजपा ने किसानों को ज्यादा खरीद, ज्यादा दाम और साथ ही बोनस की गारंटी दी है। ये गारंटी पूरी होगी, क्योंकि ये मोदी की गारंटी है। आगे कहा कि वोटबैंक और तुष्टिकरण के लालच में कांग्रेस कुछ भी कर सकती है। कांग्रेस ने दलित, ओबीसी और आदिवासी की आस्था तक का सम्मान नहीं किया।

डबल इंजन की सरकार के गिनाए फायदे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुंगेली में सभा के दौरान कहा कि मैं मुंगेली आया हूं। महामाया माई की इस धरती पर आया हूं। तो पूरे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के कुशासन की समाप्ति का जयघोष हो रहा है। ये जयघोष है पहले चरण में कांग्रेस पस्त, दूसरे चरण में कांग्रेस अस्त। प्रथम चरण के मतदान से ये स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस छत्तीसगढ़ से जा रही है। मुंगेली की रैली में नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब केंद्र में भाजपा की सरकार होती है और राज्य में भी भाजपा की सरकार होती है, तो डबल इंजन की ताकत लग जाती है। डबल इंजन की सरकार तेजी से विकास करती है। छत्तीसगढ़ भाजपा ने आपसे जो वादे किए हैं, जो गारंटियां दीं, वो सरकार जल्द से जल्द पूरा करके दिखाएगी। ये मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी का मतलब होता है उस गारंटी का पूरा होना।

झूठ नहीं साहिबो, कांग्रेस में राहिबो...

कुमारी सैलजा ने बीजेपी के खिलाफ दिया नारा, 75+ सीट जीतने का किया दावा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने आज प्रेस कॉफ्रेंस कर बीजेपी के खिलाफ नारा दिया। कहा कि अब झूठ नहीं सहिबा, कांग्रेस में राहिबो..। इस दौरान सैलजा ने घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए कहा कि दिवाली के मौके पर मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए बड़ा ऐलान करते हुए सालाना 15 हजार रुपए देने का वादा किया है। जबकि बीजेपी ने झूठ बोलकर महिलाओं से फर्जी फॉर्म भरवा रही है।

आगे कहा कि ये लोग महिलाओं से फार्म भरवाकर उसका गलत इस्तेमाल करेंगे। बता दें कि बीजेपी महतारी वंदन योजना के तहत घर—घर जाकर फार्म भरवा रही है। इसी पर आज कुमारी सैलजा ने बयान दिया है। कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो माताओं-बहनों का लाइन में लगकर फॉर्म भरने की जरूरत नहीं।

ऑनलाइन फॉर्म स्वीकार किए जाएंगे और पैसे सीधे खाते में आएंगे।

इस दौरान महंगाई के मुद्दों पर भी केंद्र की बीजेपी सरकार को कुमारी सैलजा ने प्रेस वार्ता में कहा कि कांग्रेस एक बार फिर छत्तीसगढ़ में सरकार बना रही है। वहीं इस बार कांग्रेस 75 से ज्यादा विधानसभा सीटों पर जीत दर्ज कर रही है। आगे कहा कि इस बार तो पूर्व सीएम रमन सिंह भी अपनी कुर्सी नहीं बचा पाएंगे। 2023 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी बड़े अंतर से हार रही है।

खास खबर

50 फीसदी मतदान केंद्रों की होगी लाइव वेब कास्टिंग

बेमेतरा। विधानसभा सामान्य निर्वाचन- 2023 को लेकर बेमेतरा ज़िले की तीनों विधानसभा क्षेत्र 68 साजा, 69 बेमेतरा और 70 नवागढ़ को लेकर जिला प्रशासन ने अपनी सभी तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं।मतदान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए इस बार ज़िले में 374 मतदान केंद्रों पर लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी पी.एस.एल्मा ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन में निष्पक्ष एवं भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए 50 फीसदी मतदान केन्द्रों की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। आज कलेक्ट्रेट के दिशा सभाकक्ष में वेबकास्टिंग के लिए ऑपरेटर तकनीकी सहायक को वेबकास्टिंग कैमरा स्थापित (स्टालेशनद) का प्रशिक्षण और उपकरण वितरण किया गया। कैमरे बूथ उन स्थानों पर चिन्हित किए गए हैं, जहां नेटवर्किंग की व्यवस्था है। सीसीटीवी कैमरे लगाने का काम एक निजी एजेंसी को सौंपा गया है। लाइव प्रसारण की जिम्मेदारी आईटी विभाग की होगी। इन बूथों पर तीन स्तर पर निगरानी की व्यवस्था रहेगी। विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी,जिला निर्वाचन अधिकारी और रायपुर में राज्य निर्वाचन आयोग इन बूथों पर मतदान प्रक्रिया को लाइव देख सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री एल्मा ने बताया कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न मतदान केंद्रों की कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी के लिए व्यवस्थाएं की गई है। सबसे अधिक विधानसभा क्षेत्र बेमेतरा के 175 मतदान केंद्रों पर, वही नवागढ़ के 100 और साजा के 99 मतदान केंद्रों की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। इसके साथ ही वेबकास्टिंग की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए ज़िला पंचायत के सभाकक्ष में नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया जा रहा है। इसकी नोडल अधिकारी सीआईओ ज़िला पंचायत श्रीमती लीना कमलेश मंडावी है।

सड़क हादसे में एक युवक की हुई मृत्यु- दो गंभीर घायल

कोरबा। कोरबा जिले के ग्राम तरदा के पास मोड़ पर एक अनियंत्रित मालवाहक ने एक युवक को ठोकर मारते हुए बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टाटा मैजिक ने बाइक सवार के साथ सड़क पर खड़े एक अन्य युवक को भी टक्कर मारी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसा उरगा थाना क्षेत्र का हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम तरदा निवासी मानू सिंह कंवर 20 साल अपने दोस्त निहाल चैहान के साथ किसी काम से उरगा आया हुआ था। वे दोनों लगभग 4.30 बजे घर लौट रहे थे। वे तरदा के समीप मोड़ में पहुंचे थे। इसी दौरान सामने से आ रही टाटा मैजिक मालवाहक के ड्राइवर ने मोड़ में नियंत्रण खो दिया। जिससे अनियंत्रित मालवाहक ने सड़क किनारे खड़े एक युवक को ठोकर मारते हुए बाइक को जोरदार टक्कर मारते हुए अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मालवाहक का ड्राइवर मौके से वाहन छोड़ फरार हो गया। सूचना के बाद पुलिस ने टाटा मैजिक को अपने कब्जे में लेकर मामले में आगे की कार्रवाई की है।

सीएम बघेल ने महतारी वंधन योजना पर कसा तंज, कहा-

भाजपा को लोकतंत्र और प्रजातंत्र पर विश्वास नहीं है

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने रविवार को बालोद जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर रहे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान सीएम भूपेश बघेल भाजपा सरकार द्वारा भराए जा रहे महतारी बंधन योजना पर तंज करते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि 'हमने कर्ज माफी किया हमने आम जनता के लिए काफी कुछ किया बेरोजगारी भत्ता दिए, लेकिन हमने आज तक कभी फॉर्म नहीं भरवाया और भारतीय जनता पार्टी वाले अभी फार्म भरवा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी यहां पर निर्वाचन आयोग की बात को भी नहीं मान रही है, उन्हें लोकतंत्र और प्रजातंत्र पर भी विश्वास नहीं है।

बालोद जिले के गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मोहंदीपाट में सीएम भूपेश बघेल ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यहां पर भाजपा लगातार कमीशन खोरी का काम करती आई है। अभी भी जो उन्होंने धान के एक मुफ्त राशि देने की बात कही है, उसमें भी कमीशन खोरी का रास्ता पहले ही निकाल लिया है। रमन सिंह की सरकार में मोबाइल से लेकर चप्पल टिफ्फिन और हर सामग्री में भ्रष्टाचार हुआ, जिसको रमन सिंह की सरकार में जनता तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि हम जब सीधे किसानों के खाते में पैसा डाल रहे हैं बीच में कोई कमीशन खोरी नहीं है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह स्वयं चुनाव हार रहे हैं। उनकी बात को कोई गंभीरता से नहीं लेता। उनकी पार्टी भी उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेती है। उन्होंने कहा कि पहले सीट के चुनाव में 19 सीट हम जीत रहे हैं। एक सीट उनका बचा था उसे भी हम जीत रहे हैं मुख्यमंत्री रमन सिंह बौखला गए हैं।

पीसीसी चीफदीपक बैज का भाजपा पर तंज, ये सिर्फ जुमलेबाजी; सिलेंडर पूरे देश में सस्ता दें

श्रीकंचनपथ न्यूज

मरवाही। पीसीसी चीफने मरवाही विधानसभा के बेलपत गांव मे कांग्रेस प्रत्याशी के के ध्रुव के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र का जिक्र भी किया और साथ ही राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया। उन्होंने विपक्षी पार्टी भाजपा पर भी तीखा हमला भी किया। उन्होंने कहा कि वो मुद्दा विहीन है।

पीसीसी चीफदीपक बैज अपने एक दिवसीय प्रवास के दौरान मरवाही विधानसभा के बेलपत गांव पहुंचे थे। जहां पर उन्होंने मरवाही विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. केके ध्रुव के लिए लोगों से उनका आशीर्वाद मांगा और कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र में किये गए वादों के बारे में बताया।

वहीं कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मैं लगातार चुनाव प्रचार कर रहा हूं। जहां जनता का कांग्रेस सरकार के प्रति उत्साह दिखाई दे रहा है। जहां फिर से कांग्रेस सरकार बन रही है। साथ ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ-साथ युवा एवं मतदाताओं में उत्साह है। वहीं दीपक बैज ने कहा कि भाजपा गलतफहमी में है। जहां बस्तर में कांग्रेस का जबरदस्त बढ़त है। वहीं कांग्रेस को पहले चरण में 20 सीट पर हुए चुनाव पर 20 की 20 सीटें कांग्रेस जीत कर आ रही है।

साथ ही उन्होंने कहा कि दूसरे चरण की 70 सीट में से 55 से 60 सीटें कांग्रेस को मिल रही हैं। और इसी बढ़त के साथ हम फिर से कांग्रेस की सरकार बनाने जा रहे हैं। वही दीपक बैज ने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा के पास कोई विजन नहीं है। न ही भाजपा के पास लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और ना ही छत्तीसगढ़ के विकास को लेकर कुछ है। वो सिर्फ जुमलेबाजी कर रही है। वहीं उन्होंने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही सिलेंडर देने का वादा क्यों कर रही है। अगर देना है तो पूरे देश की महिलाओं को देना चाहिए, ना कि सिर्फ चुनाव के समय छत्तीसगढ़ के लिए दिया जाना चाहिए।

वहीं प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा जो 3100 देने का वादा कर रही है। वह छत्तीसगढ़ में ही क्यों दे रही है बल्कि पूरे देश में धान का समर्थन मूल्य 3100 दिया जाना चाहिए। दीपक बैज ने कहा कि जहां हमने पिछली बार कर्ज माफ किया और 2500 धान का समर्थन मूल्य दिया था। और इस बार भी धान का समर्थन मूल्य 3200 देने का वादा एवं कर्ज माफके साथ ही मुक्त स्वास्थ्य सुविधा, शिक्षा सरकार बनने पर जोर दिया। वहीं मतदाताओं और युवाओं का कांग्रेस सरकार के ऊपर भरोसा है।

टीएस सिंह देव ने जनसभा को किया संबोधित, कहा-

कांग्रेस सरकार में प्रदेश के 40 लाख लोग गरीबी रेखा से ऊपर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सरगुजा/कोरबा। जैसे-जैसे मतदान तिथि नजदीक आर रही है, वैसे-वैसे भाजपा और कांग्रेस अपना प्रचार अभियान करती जा रही है। दीपावली के दिन भी कांग्रेस का धुआंधार प्रचार अभियान जारी रहा। उपमुख्यमंत्री टीएस सिंह देव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता शकील अहमद, हिमाचल प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री आशा सिंह देव ने रामानुजगंज विधानसभा के रामचंद्रपुर, चलगली और महाराजगंज में आम सभा को संबोधित किया।

सभा को संबोधित करते हुए टीएस सिंह देव ने कहा कि बीते पांच वर्ष में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सरकार की नीति सिद्धांत एवं योजनाओं के चलते नीति आयोग की रिपोर्ट में प्रदेश के 40 लाख लोग गरीबी रेखा के ऊपर उठे। यह पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। भूपेश बघेल सरकार के द्वारा समाज के सभी वर्गों के लिए कार्य किया गया है। कांग्रेस पार्टी का घोषणा पत्र समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। उन्होंने कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की। दीपावली के अवसर पर उन्होंने महिलाओं के खाते में एकमुश्त 15,000 रुपये दिए जाने की योजना की भी बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के द्वारा बहुत सोच समझकर एवं विशेषज्ञों से राय लेकर यह योजना लाई गई है।

कांग्रेस नेता शकील अहमद ने कहा कि कांग्रेस धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। इसका मतलब यह नहीं कि हम किसी मजहब को नहीं मानते, हम मजहब को मानते हैं, लेकिन दूसरे के मजहब का सम्मान करते हैं। इस्लाम हमें सिखाता है कि हम जितनी इज्जत अपने धर्मगुरु की करते हैं, उतनी इज्जत दूसरे धर्म के भी गुरु की करनी है। इस्लाम हमें सिखाता है कि यदि आप भोजन कर रहे हैं तो पड़ोसी भूखे नहीं रहना चाहिए। यह नहीं कहता कि पड़ोसी का धर्म क्या है यह सिर्फ हमें मानवता की बात सिखाता है। देश में जब अमन शांति रहेगी तो विकास होगा। अंग्रेजों के द्वारा फूट डालो और शासन करो की नीति अपनाई गई थी। देश में कुछ ऐसे लोग अंग्रेजों की नीति पर चल रहे हैं। राजस्व मंत्री और कोरबा से कांग्रेस प्रत्याशी जयसिंह अग्रवाल ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए पार्टी की नीति और मौजूदा कार्यकाल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी वर्ग के लिए सरकार के द्वारा काम किए गए हैं। इस बार पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में ग्रहणियों को 15000 रुपये वार्षिक सहायता देने के बिंदु को भी शामिल किया है। जय सिंह अग्रवाल ने बताया कि 2018 में की गईं 95त्न घोषणाएं पूरी की गई हैं। जबकि इस वर्ष के घोषणा पत्र में शिक्षा चिकित्सा से लेकर कई चीजे शामिल की गई। साथ ही ग्रहणियों को ध्यान में रखते हुए गृह लक्ष्मी योजना लॉन्च की गई है। जय सिंह अग्रवाल ने बताया की कोरबा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य पेयजल के लिए आवश्यक काम किए गए हैं और लगातार इनका उन्नयन किया जा रहा है। कोरबा कैसे सुंदर शहर बने इसके लिए आगे काम किया जाएगा। कोरबा में भाजपा ने क्या किया है, यह सब जनता जानती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री वंदन योजना को लेकर जो फार्म भरवाए जा रहे हैं, वह यहां-वहां मिल रहे है, जिससे योजना की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।

अधिक सामान लेकर किये यात्रा तो होगी परेशानी, जुर्माना भी लगेगा

कोरबा। त्योहारों के सीजन में जहां ट्रेनों में बेतहाशा भीड़ होती है, यात्रा के दौरान अधिक सामान लेकर चढना भी बड़ी मुसीबत बन सकता है। इससे आपको तो परेशानी होगी ही, ट्रेन के दूसरे यात्री भी हैरान होते हैं। ऐसी स्थिति में अगर सीट के पास निर्धारित अनुमति के वजन से अधिक सामान मिला, तो इस भारी परेशानी के साथ जुर्माने का नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। इससे बचने के लिए रेल प्रशासन ने यात्रियों को अधिक सामान लेकर यात्रा न करने की गुजारिश की है। जरूरी हो तो निर्धारित भार से अधिक सामान के लिए रेलवे की पार्सल सेवा भी इस्तेमाल की जा सकती है। ट्रेन में अधिक सामान के साथ यात्रा करना न केवल स्वयं के लिए, बल्कि आपके आसपास या बर्थ में बैठे सह यात्रियों के लिए बोझिल और असुविधाजनक हो सकता है। साथ ही इससे सुरक्षा संबंधी खतरे भी पैदा हो सकते हैं।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

दो कार की आमने-सामने टक्कर 2 महिलाओं की मौत

दुर्ग। जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में दो महिलाओं की मौत हो गई। हादसे में कुछ घायलों का इलाज जारी है। मेडेसरा गांव के पास हुए हादसे में दोनों कार स्पीड में थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों गाड़ियों के परखच्चे उड़ गए। दुर्ग पासिंग कार में 5 लोग सवार थे। इनमें दो महिला यमुना और सुषमा तिवारी की मौत हो गई और तीन अन्य की हालत गंभीर है। उन्हें दुर्ग जिला अस्पताल से निजी अस्पताल रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि जिस समय ये घटना हुई उसी दौरान दुर्ग एसएसपी राम गोपाल गर्ग थाने का निरीक्षण करने पहुंचे थे। जिससे घायलों को अस्पताल पहुंचाने में देर हो गई। दोनों शवों को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल की मरचुरी में रखवाया गया है।

तेज रफ्तार एंबुलेंस की टक्कर से युवक की मौत

जगदलपुर (ए)। जगदलपुर जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत कोर्ट जंक्शन के पास तेज गति से जा रही एक एम्बुलेंस ने सड़क पर जा रहे एक युवक लक्ष्मीनाथ को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिन लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एंबुलेंस चालक तेज गति से गाड़ी चला रहा था।

पुलिस के मुताबिक मृतक लक्ष्मीनाथ जगदलपुर का रहने वाला था। सोमवार को मैं बस स्टेशन गया। इसी बीच एक पेट्रोल पंप की ओर से आ रही एंबुलेंस ने उन्हें टक्कर मार दी और टक्कर इतनी जोरदार थी कि लक्ष्मीनाथ जमीन पर दूर जा गिरे। मौके पर मौजूद लोगों ने गंभीर रूप से घायल युवक को महारानी अस्पताल पहुंचाया। इलाज के दौरान घायल व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर परिजन भी महारानी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने हस्तक्षेप किया, पहली रिपोर्ट दर्ज की और जांच कर रही है।

एसएसटी टीम की कार्रवाई, 14.50 लाख की संदिग्ध रकम बरामद

बिलासपुर (ए)। दीवाली के दौरान एसएसटी टीम ने 14.50 लाख रुपए से ज्यादा की संदिग्ध रकम ले जाते हुए पकड़ी है। शहर के मोपका चौक के आगे चिल्हाटी मोड़ पर बनाये गये चेक पोस्ट पर चेकिंग के दौरान मन्नाडोल सिरगिट्टी निवासी संजय साहू से 7 लाख रुपए नकद की बरामदगी की गई। इनमें 500 रुपए के 14 बण्डल शामिल है।

इसी प्रकार गुरूनानक चौक तोरवा में बनाये गये जांच चौकी में जांच के दौरान मसानगंज निवासी अंशुमन बाजपेयी से 7 लाख 50 हजार रुपए नकद राशि की बरामद की गई है। संबंधितों ने इन रुपयों का कोई सबूत अथवा दस्तावेज नहीं दे पाए। इसलिए रकम जब्त कर ली गई है।

चुनावी माहौल पर पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

रायगढ़ (ए)। जिले में विधानसभा चुनाव 2023 के द्वितीय चरण के लिए 17 नवंबर को मतदान होना है, ऐसे में मतदान को 3 दिन शेष रह गये हैं। जिसे लेकर प्रत्याशी अपने प्रचार-प्रसार में पूरा जोर-शोर लगा रहे हैं। प्रत्याशी व उनके कार्यकर्ता आचार संहिता का उल्लंघन कर मतदाओं को प्रभावित ना करें। इसे लेकर चुनाव आयोग के निर्देशानुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार के मार्गदर्शन पर जिला पुलिस ने अंतर जिला और अंतर राज्यीय चेक पोस्ट की निगरानी और कड़ी कर दी गई है।

दीपावली में पटाखों से झुलसे 60 से अधिक लोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर (ए)। कहीं अनार फटा तो कहीं नकली बम की चपेट में लोग आए है। 20 से अधिक लोग जिला अस्पताल और 40 से ज्यादा सिम्स पहुंचे। जहां उनका इलाज किया गया। कई लोगों ने अपना इलाज निजी अस्पतालों में भी कराया है। पटाखे फोड़ने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी को दरकिनार करने की वजह से इस तरह के हादसे हुए है। राहत की बात यह है कि कोई भी गम्भीर मामले सामने नहीं आया है, आहतों को दवा देकर घर भेजा गया है।

पटाखे फोड़ने के दौरान बरती जाने वाली सावधानी को लेकर दिशा निर्देश दिए गए थे लेकिन किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया, नतीजा काफी संख्या में लोग पटाखों से झुलस गए। इसी कारण से 48 घण्टे के भीतर 60 से ज्यादा मरीज अस्पताल पहुचे है। पटाखे से जलने के मामले दीवाली के देर रात से सामने आने लगे थे।

सिम्स पहुचने वाले घायलों में मुख्य रूप से सुनील वर्मा, अमित पाटिल, रामचन्द्र साहू, राम बैगा, भुवनलाल सोनी, हरदेव सिंह, नरेश शर्मा, मोनू कुमार, रानी गुप्ता, शिल्पा सेलर आदि है, जो पटाखे से कुछ ज्यादा ही झुलसे है। समय पर अस्पताल पहुचने और इलाज चालू हो जाने से इन्हें तत्काल आराम मिल गया है। इसी तरह जिला अस्पताल में भी आहतों को इलाज मिला है। वही घायलों की संख्या को देखते हुए अभी भी सरकारी अस्पताल में अलर्ट चल रहा है। जो आने वाले 48 घंटे तक रहेगा। वही निजी अस्पताल में भी पटाखों से झुलसकर पहुचने वालो का इलाज मिल रहा है। कुलमिलाकर इस बार दीवाली के पर्व के दौरान जलने की कोई बड़ी घटना नहीं हुई है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी झुलसने के मामले

शहरी क्षेत्र के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी पटाखा जलाने के दौरान झुलसने के मामले हुए है। हालांकि इनकी संख्या कम रही हैं। लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इनके इलाज की व्यवस्था की गई थी, ऐसे में पहुचे गिनेचुने मामलों में लोगो को इलाज मिला है। ग्रामीण क्षेत्र में भी जलने के कोई गंम्भीर मामला सामने नहीं आया है।

बस ने बाइक सवार को कुचला, युवक की मौत, रहवासियों ने किया चक्काजाम

रायपुर (ए)। रायपुर के कुशालपुर वॉलफोर्ट सिटी के सामने हुए सड़क हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। महेंद्रा ट्रेवल्स की तेज रफ्तार सवारी बस ने बाइक सवार युवक को रौंदा है।

आक्रोशित स्थानीय रहवासियों ने सड़क पर चक्काजाम कर सवारी बस में पथराव कर दिया। गाड़ी के कांच तोड़ दिए गए। घटना के समय बस में सवारी सवार थे। पुरानी बस्ती थाना इलाके की घटना।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बाइक सवार युवक कुशालपुर निवासी विक्की तिवारी उम्र 27 साल की सड़क हादसे में मौत हो गई है। बस चालक को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस की समझाइश के बाद जाम को खुल गया है।

मुठभेड़ में घायल किसान की मौत 7 नवम्बर को लगी थी गोली

कांकेर। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के पहले चरण का मतदान 07 नवम्बर को सम्पन्न हुआ था। मतदान के दिन पुलिस और नक्सलियों के बीच एक मुठभेड़ हुआ था, जिसमें घटना स्थल पर मौजूदल एक किसान को गोली लग गई थी। जिसे इलाज के लिए रायपुर भी लाया गया था। लेकिन आज घायल किसान दोगे राम तिम्मावे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

दरअसल, 7 नवंबर को मतदान शांतिपूर्ण तरीके से कराने बीएसएफ के जवान जंगल में सर्चिंग कर रहे थे। इस बीच उलिया के जंगल में बीएसएफ जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इसी बीच जंगल में मवेशी चरा रहे किसान को पेट में गोली लगी और वह घायल हो गया था। मुठभेड़ थमते तक किसान जंगल में ही कराहते, चिल्लाते रहा। कुछ समय बाद जब इसकी जानकारी परिजनों को हुई, तो वाहन के जरिये घायल किसान को बांदे प्रथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे कांकेर रेफर किया गया। हालात गम्भीर होने के चलते कांकेर से उसे रायपुर लाया गया। लेकिन इलाज के दौरान किसान दोगे राम की मौत हो गई।

बाइक में शराब तस्करी करने वाला तस्कर गिरफ्तार

बसना (ए)। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के मार्गदर्शन में अति. पुलिस अधीक्षक आकाश राव एवं अनु. अधिकारी (पु) सरायपाली अभिषेक केसरी द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू होने के पश्चात थाना क्षेत्र में असमाजिक तत्वो एवं अवैध शराब बिक्री एवं परिवहन पर रोकथाम व कार्यवाही करने हेतु निर्देशित करने पर उक्त निर्देशों का पालन करते हुए निरीक्षक आशीष वासनिक थाना प्रभारी बसना के मार्गदर्शन में मुखबीर सूचना पर गढफुल्झर से साल्हेझरिया रोड बैरियर के पास मोटर सायकल क्रमांक CG04CX5870 में परिवहन करते आरोपी केशव पटेल पिता मोहन पटेल उम्र 35 साल निवासी कंचनपुर थाना सांकरा जिला महासमुंद के कब्जे बीस बीस लीटर क्षमता वाली सफेद जरकीन में कुल 40 लीटर महुआ शराब कीमती 8000 रुपये एवं परिवहन में प्रयुकत मो.सा. कीमती 40,000 रूपये को गवाहो के समक्ष जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

तेज रफ्तार स्कॉर्पियों ने बाइक सवार को कुचला, मौत

जांजगीर (ए)। अकलतरा-जांजगीर के रास्ते एनएच 49 पर स्कॉर्पियों चालक ने बाइक सवार एक व्यक्ति को ठोकर मार दी। स्कॉर्पियों की ठोकर से बाइक सवार व्यक्ति रोड किनारे जा गिरा और उसकी मौके पर मौत हो गई, वहीं स्कॉर्पियों कार अनियंत्रित को होकर रोड किनारे खेत में जा फंसा। जानकारी अनुसार अकलतरा की ओर से जांजगीर जा रही स्कॉर्पियो सीजी 11 बीजी 8083 के चालक ने हाइवे में तिलई के पास सामने से बाइक में आ रहे अमोदा निवासी राकेश सूर्यवंशी की बाइक को ठोकर मार दी। कार की ठोकर से राकेश सूर्यवंशी उछलकर रोड पर जा गिरा और शरीर पर गंभीर चोट आई थी।

दिवाली में जुआ खेलने के दौरान विवाद, नाबालिग की पीट-पीटकर हत्या, चार आरोपी हिरासत में

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दीपावली के दिन जुआ खेलने के दौरान हुए विवाद में एक नाबालिग की जान चली गई। बदमाशों ने नाबालिग की लाठी-डंडे पीटकर व धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। घटना राजेन्द्र नगर थाना क्षेत्र की है। वारदात के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने इस मामले में चार संदेहियों को हिरासत में लिया है। फिलहाल संदेहियों से पूछताछ कर रही है।

मिली जानकारी के अनुसार दिवाली के दिन 17 वर्षीय नाबालिग अपने परिचित की कार से लेकर महात्मा गांधी नगर गया था। वहां पहुंचने के बाद चार अन्य लड़कों के साथ जुआ खेलने लगा। इस दौरान हारजीत को लेकर चारों लड़कों के साथ नाबालिग का विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि वहां मौजूद लड़कों ने अपने साथियों के साथ मिलकर नाबालिग पर लाठी-डंडे और धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे नाबालिग की मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने नाबालिग के शव को पीएम के लिए भेजा। वहीं पुलिस ने चार संदेहियों को हिरासत में लिया है।

शराब के लिए रुपए नहीं देना पड़ा भारी, दिवाली के दिन नशेड़ी पति ने पत्नी की ले ली जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला। छत्तीसगढ़ के गौरेला में दिवाली के दिन पति को शराब के लिए रुपए नहीं देना महिला के लिए भारी पड़ गया। पति ने शराब पीने के लिए रुपए मांगे तो पत्नी ने नहीं दिया तो गुस्साए पति ने उसकी जान ले ली। पति ने पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। इस दौरान पति ने भी खुद को घायल हो गया। घटना की सूचना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। वहीं आरोपी पति को अस्पताल में भर्ती करायया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार, बैगा बाहुल्य गांव करंगरा निवासी भूप सिंह बैगा ने दिवाली की रात अपनी पत्नी सेम बाई से शराब पीने के लिए रुपये मांगे। पत्नी ने रुपये देने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों में जमकर विवाद हुए। कुछ देर बाद पति भूप सिंह ने लकड़ी से पत्नी सेम बाई को पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी। भूप सिंह का जब कुछ नशा उतरा तो वो धारदार हथियार से खुद के गले को काट लिया। सूचना मिनने पर पुलिस ने मौके पर पहुंची, जहां लहूलुहान हालात में पत्नी के शव के पास ही भूप सिंह पड़ा हुआ था। पुलिस ने घायल भूप सिंह को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करा कराया है। आसपास लोगों जानकारी लेने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गद्दा गोदाम में भीषण आग

घरों से बाहर निकले लोग, दमकल की चार गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के मोवा थाना क्षेत्र के प्रेमनगर में स्थित गद्दे की फैक्ट्री के गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरे फैक्ट्री के गोदाम को आगोश में ले लिया। सूचना पर आग को बुझाने दमकल की चार गाड़ियां लगाई गई। घंटों मशक्कत के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। रिहायशी इलाका होने के चलते पड़ोसी घरों में आग लगने की आशंका से पड़ोस में रहने वाले लोग अपने-अपने घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आए गए। गोदाम मालिक के अनुसार इस आगजनी से लाखों का नुकसान हुआ है। फिलहाल आग लगने का कारणों का पता नहीं सका है।

जानकारी के अनुसार मोवा थाना क्षेत्र के प्रेमनगर में एक गद्दे की फैक्ट्री है। यहां सोमवार की शाम इस फैक्ट्री के गोदाम में अचानक लग गई। थोड़ी देर में आग भयावह रूप ले लेती है। देखते ही देखते गोदाम में चारों तरफरखे सामान आग की चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने आग लगने की जानकारी पुलिस और फायरब्रिगेड को दी। इसे बुझाने के लिए दमकल की चार गाड़ियां लगाई गई। आग से गोदाम में रखा सामान जलकर खाक हो गया। आग के धुएं से परेशान लोग घरों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026,
8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

नेहरू जी की बनायी हुई योजनाओं पर देश संचालित है

भिलाई। छत्तीसगढ़ राज्य के पूर्व मंत्री बदरूदीन कुरैशी ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं0 जवाहर लाल नेहरू जी के बाल दिवस और जयंती के अवसर पर नेहरू नगर में स्थापित आदमकद प्रतिमा में माल्यअर्पण कर उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। नेहरू जी ने आजादी के बाद देश को सुचारू रूप से चलाने संचालित करने के लिए पंचवर्षीय योजना बनाई कृषि और उद्योग को बढ़ावा दिया ताकि हमारे देश के बढते हुए आबादी में अनाज की कमी ना हो सके और देश में बेरोजगारी दूर करने के लिए हर राज्यों में कल-कारखाने राज्यों के आवश्यकता के मुताबिक लगाने का प्रयास किया आज 140 करोड़ कि आबादी होने के बावजूद आज अन्न के मामले में हम पूरी तरह से सम्पन्न है और केन्द्र सरकार उन्हीं ताकतों के कारण आज देश के 80 करोड़ जनता को नि:शुल्क अनाज 5 वर्षों तक देने की ताकत रखती है इसलिए देश के प्रधानमंत्री आज घोषणा कर रहे है। कार्यक्रम में श्रीमति सुभदा सिंह, आर एस शर्मा, समयलाल साहू, सतपाल सिंह, ममता, राबिन सिंह, अनिल सिंह, अभिषेक सिंह सतमान चंद्रवशीय, अरूण सिंह, नजमून निशा, बी जोगा राव, अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे।

पीस ऑडिटोरियम में उमंग उत्साह के साथ मनाया गया दीपावली पर्व

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में दीपों के पर्व महापर्व दीपावली को उमंग उत्साह एवम हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रात: राजयोग सत्र के पश्चात भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने सभी को दीपावली पर की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी अप्राप्ति का कारण इच्छाएं है, मनुष्य आत्माओं से उम्मीद रखना अर्थात परेशान होना। मेरी प्रसन्नता प्रशंसा के आधार पर नहीं होनी चाहिए, जहां अभिमान है वहां प्रसन्नता हो नहीं सकती। जीवन में चीयरफुल अर्थात प्रसन्न - आनंदित तथा केयरफुल सावधान रहे। दीपावली में विशेष घर की कोने-कोने की सफाई कर मां लक्ष्मी जी का आह्वान करते हैं, हमें मन के कोने कोने में भी ईर्ष्या द्वेष रूपी अवगुणों की सफाई कर दिव्य गुणों का आह्वान करना है। शुभकामनाओं, शुभभावनाओ से भरपूर सदा संपन्न, सर्व प्रति स्वरूप बन महालक्ष्मी सामान सर्व की झोलियों को भरना है। इस अवसर पर डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गीत दिया जले जगमग, आयो रे शुभ दिन आयो रे, आई दिवाली हैप्पी दिवाली जैसे गीतों पर नृत्य प्रस्तुत कर सभी में खुशी,प्रसन्नता उमंग उत्साह का समा बांधकर आनंद से भरपूर कर दिया। परमात्मा को भोग स्वीकार कराने के पश्चात भिलाई की सभी ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा संगठित रूप से दीप प्रज्वलन किया गया। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी, स्नेहा दीदी ने भी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की।

गौरा गौरी की पूजा कर विधायक देवेंद्र ने लिया सोंटा, निभाई परम्परा, दी दीपावली की बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दीपावली पर्व की पावन अवसर पर खुर्सीपार छावनी सहित भिलाई के कई इलाकों में गौरी गौरा पूजा का भी आयोजन किया गया। जहां भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव भगवान गौरी गौरा की पूजा में शामिल हुए और विधिवत पूजा अर्चना के बाद उन्होंने सोंटा लेकर छत्तीसगढ़ी परंपरा का निर्माण किया।

बैगा ने विधायक यादव के हाथ मे सोंटा मारा। इस दौरान उन्होंने पूरे भिलाई वासियों को दीपावली के पावन पर्व की ढेर सारी बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही भगवान गौरव गौरी से भिलाई के सभी नागरिकों के सुख शांति और समृद्धि की हाथ जोड़कर प्रार्थना की। इसके बाद वे जनता से बारी बारी से मिले। सब का कुशल क्षेम जाना।

इस दौरान देवेंद्र यादव ने सभी को बताया कि हमारे कका छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दिवाली के दिन बड़ा ऐलान किया है। देवेंद्र यादव पर विश्वास मतदाताओं ने खुलकर विश्वास जताया और कहा दोबारा देवेंद्र को ही बनाएंगे। प्रदेश में भी कांग्रेस की ही सरकार बनाएंगे। विधायक देवेंद्र यादव लगातार विश्वास यात्रा निकाल रहे है। इसी के साथ ही अब विधायक यादव आम सभा लेना भी शुरू कर दिया है। बारी-बारी से हर वार्ड में विश्वास यात्रा निकाल कर जनसंपर्क कर रहे हैं। भिलाई की जनता भी अपने परिवार सहित देवेंद्र यादव पर पूरा विश्वास जता रही है और जनता खुलकर विधायक देवेंद्र यादव को फिर से अपना विधायक चुनने की बात कह रहे हैं।

आज प्रचार के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र यादव से एक मतदाता ने कहा कि इस बार आपको ही फिर से वोट देंगे। हमें आप जैसा जनप्रतिनिधि पहली बार मिला है, जो हमेशा जनता के बीच रहता है। हर वार्ड में विश्वास यात्रा निकाली और आम सभा की। साथ ही घर-घर जाकर जनसंपर्क किया। लोगों मिले और कांग्रेस सरकार ने इन 5 साल में प्रदेश और प्रदेश की जनता के हित और विकास के लिए जो काम किया है। उसके बारे में बताए। विधायक श्री यादव ने कहा कि जनता की सेवा ही मेरा धर्म। आप सभी का प्रेम और विश्वास ही मेरी असली पूंजी है। हमेशा से भिलाई की जनता का प्रेम और आशीर्वाद मुझे मिलते रहा है और मुझे पूरी उम्मीद है कि आगे भी यह प्रेम और विश्वास आप लोग बनाएं रहेंगे।

छठ पूजा के लिए एक और स्पेशल ट्रेन 16 नवंबर को दुर्ग से होगी रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छठ पूजा के लिए छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में यूपी बिहार के लोग अपने गांव जाते हैं। इस दौरान इस रूट पर ट्रेनों में अच्छी खासी भीड़ होती है। इससे छुटकारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। दुर्ग से पटना के बीच दूसरी स्पेशल ट्रेन 16 नवंबर को दुर्ग से रवाना होगी। इस ट्रेन में स्लीपर श्रेणी से लेकर एसी कोच में सैकड़ों सीटें खाली है। इसके कारण वेटिंग की समस्या से काफी राहत मिलेगी। इस ट्रेन में कुल 22 कोच उपलब्ध रहेंगे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार यह ट्रेन 08201 नंबर के साथ दुर्ग से दिनांक 16 नवंबर 2023 (गुरुवार) को दोपहर 14.45 बजे रवाना होगी। इस ट्रेन का रायपुर आगम 15.40 बजे एवं प्रस्थान 15.45 बजे, भाटापारा आगमन 16.27 बजे एवं प्रस्थान 16.29 बजे, बिलासपुर आगमन 17.35 बजे एवं प्रस्थान 17.44 बजे, चाम्पा आगमन 18.23 बजे एवं प्रस्थान 18.25 बजे, रायगढ़ आगमन 19.18 बजे एवं प्रस्थान 19.20 बजे, झारसुगुड़ा आगमन 20.40 बजे एवं प्रस्थान 20.42 बजे होगा। यह ट्रेन राउरकेला, हटिया, रांची, मुरी, बोकारो, चंद्रपुरा, गोमो, कोडरमा, गया, जहानाबाद स्टेशन होते हुए अगले दिन 17 नवंबर 2023 (शुक्रवार) को सुबह 09.30 बजे पटना पहुंचेगी।

इसी प्रकार यह ट्रेन 0802 नंबर के साथ 17 नवंबर 2023 (शुक्रवार) को प्रात: 10.30 बजे पटना स्टेशन से दुर्ग के लिए प्रस्थान करेगी । यह ट्रेन जहानाबाद, गया, कोडरमा, गोमो, चंद्रपुरा, बोकारो, मुरी, रांची, हटिया, राउरकेला स्टेशन होते हुए दुर्ग पहुंचेगी।

इस ट्रेन का वापसी में झारसुगुड़ा आगमन 00.58 बजे एवं प्रस्थान 00.10 बजे (18/11/2023), रायगढ़ आगमन 02.10 बजे एवं प्रस्थान 02.12 बजे, चाम्पा आगमन 03.23 बजे एवं प्रस्थान 03.25 बजे, बिलासपुर आगमन 04.35 बजे एवं प्रस्थान 04.45 बजे, भाटापारा आगमन 05.28 बजे एवं प्रस्थान 05.30 बजे, रायपुर आगमन 07.10 बजे एवं प्रस्थान 07.15 बजे होगा। यह ट्रेन 18 नवंबर 2023 (शनिवार) को दुर्ग स्टेशन पहुंचेगी।

छग की कांग्रेस सरकार ने महिलाओं का मान बढ़ाया- स्मिता बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

पाटन। मुख्यमंत्रीभूपेश बघेल की पुत्री स्मिता बघेल ने सोमवार को नगर पंचायत पाटन के 15 वार्डो में महिलाओ के साथ मिलकर डोर टू डोर अपने पिता मुख्यमंत्री के पक्ष मतदान करने की अपील की । साथ ही महिलाओ की बैठक भी की। कार्यक्रम की सुरुआत स्वामी आत्मानन्द जी के मूर्ति पर माल्यार्पण करके वार्ड क्रमाक 1 इंद्रा नगर से की गई। उन्होंने सरकार के विभिन्न योजनाओ की जानकारी देते हुए बताया की छग की कॉंग्रेस सराकर ने महिलाओ का मान सम्मान बढ़ाने के साथ ही उनका सीधा सीधा आर्थिक बोझ कम किया है। गैस सिलेंडर का दाम आधा कर दिया गया है।अब गैस धारी के बैंक खातों में सिधे पांच सौ रुपये की सब्सिडी आएंगी।जिससे उन्हें काफी राहत मिलेगी। किसानों का कर्जा माफ होने के साथ ही इस बार महिला स्व सहायता समूह का भी कर्जा माफ होगा। दो सौ यूनिट बिजली निषुल्क मिलेगी ही। साथ ही विद्यार्थियों को सभी सरकारी स्कूलों व कालेजों में केजी से लेकर पीजी तक शिक्षा निषुल्क मिलेगी। स्मिता बघेल ने आगे कहा कि घर परिवार के किसी भी सदस्य की अचानक घटना दुर्घटना होने पर सबसे ज्यादा घर की महिलॉये पीड़ित होती है।

अधिष्ठायक देव श्री माणिभद्रवीर जी का सर्वोषधि के साथ पंच महाभिषेक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महाप्रभाविक श्री उवसग्गहरम् पार्श्व तीर्थ नगपुरा, मे चातुर्मासार्थ विराजित प पू साध्वीवर्या श्री मुक्ति प्रिया श्रीजी म.सा. की निश्रा में शनिवार 11 नवंबर को तीर्थ के प्रकट प्रभावी अधिष्ठायक देव श्री माणिभद्रवीर जी का सर्वोषधि के साथ पंच महाभिषेक के साथ अष्टप्रकारी महापूजन तथा श्री संघस्य कल्याणार्थे, विश्व कल्याणार्थे एवं तीर्थ की जाहोजलालि की शुभ भावना से मंगलपूजा -हवन का अनुष्ठान सम्पन्न ! परम भक्त श्रीमती सुशीला देवी उगमचंदजी कटारिया - वणी तथा श्राविका सुनीता देवी मुकेशजी कोठारी - विराटनगर (नेपाल) परिवार ने आज की अनुष्ठान का सुंदरतम लाभ लिया ! पूज्य साध्वीवृंद ने वाद्ययंत्रों के साथ संगीतमय वातावरण में महाभिषेक का विधान सम्पन्न कराये ! सौरभ-सतीष गोलछा दुर्ग, अतुल्य जैन भिलाई, प्रकाशचंद बैद रायपुर, शांतिलाल प्रेमचंद बैद राजनांदगांव परिवार हवन-अभिषेक विधान में उपस्थित रहें! पूज्य गुरुवर्या श्री ने मांगलिक दिया। तीर्थ के अध्यक्ष गजराज पगारिया, मैनेजिंग ट्रस्टी पुखराज दुगड ने उपस्थित तीर्थयात्रियों एवं तीर्थ से जुड़े देश भर के असंख्य श्रद्धालुओं को दीपावली एवं नववर्ष की शुभकामना देते हुए सकल श्री संघ में मंगल-कल्याण की भावना व्यक्त किए। विशेष: तीर्थ मे पू. सा0 श्री मुक्ति प्रिया श्री जी म0 सा0 की 14 नवंबर 2023 मंगलवार को प्रात: 5 बजे नूतन वर्ष पर द्वारोद्घाटन,,निर्वाण लड्डू समर्पण,श्री ग?तम स्वामी रास वांचन होगा। इस अवसर पर नूतन वर्ष की महामांगलिक , विभिन्न पूजा ,भक्ति आदि मांगलिक अनुष्ठान सम्पन्न होगा।

जनहितैषी नीतियों के चलते सरकार ने जीता लोगों का भरोसा: मुकेश चंद्राकर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई । वैशाली नगर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश चंद्राकर अपने पहले दौरे में वार्ड क्रमांक 5 कोसा नगर पहुंचे जहां राधा कृष्ण मंदिर में उन्होंने पूजा करके अपने वार्ड दौरे को प्रारंभ किया। यादव मोहल्ला मराठी,मोहल्ला,उड़िया मोहल्ला दीक्षित कॉलोनी सहित पूरे वार्ड का दौरा किया,इस बीच कार्यकर्ताओं एवं महिलाओं के द्वारा उनका पूरे ज़ोर शोर से स्वागत किया गया एवं उन्हें उनके आगामी चुनाव के लिए पूर्ण समर्थन देने की बात कही।

जनसंपर्क के दौरान अपने उद्बोधन में मुकेश चंद्राकर ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने अपनी जनहितैषी नीतियों के चलते लोगों का भरोसा जीता है। राज्य में खेती-किसानी से लेकर उद्योग-व्यापार सहित सभी क्षेत्रों में समृद्धि और खुशहाली आई है। किसान, युवा, महिलाएं हर वर्ग के लिए सरकार ने काम किया है।

जैसे-जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है मुकेश चंद्राकर के लिए जन समर्थक और भी व्यापक होता नजर आ रहा है। आज उनके वार्ड दौर में उनके साथ स्क्ट्ष्ट मेंबर संदीप निरंकारी,शौकत अली,किसन यादव,मधु चौबे, हरी राय सहितअन्य साथी उपस्थित थे।

भाजपा सरकार बनी तो लोगों को मिलेगा पट्टा : पाण्डेय

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा प्रत्याशी प्रेमप्रकाश पाण्डेय ने रविवार को छावनी में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने भी सभा को संबोधित किया और छावनीवासियों से वादा किया कि भाजपा सरकार बनते ही फिर से विकास होगा और लोगों को पट्टा मिलेगा।

छावनी मंगल बाजार में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए श्री पाण्डेय ने कहा कि कमल का निशान, विकास की पहचान है और जितना ज्यादा कमल खिलेगा उतना वहां लक्ष्मी आयेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पिछले पांच सालों में कोई काम तो नहीं किया लेकिन भाजपा के कार्यों का श्रेय लेकर पर्चा बंटवाने में कमी नहीं छोड़ी। ये लोग घूम-घूमकर लोगों से कह रहे हैं कि इनके कार्यकाल में भिलाई में पानी आया लेकिन आप लोगों ने उनको मुंहतोड़ जवाब दिया आपने बताया कि हम हैं पानी वाले बाबा। भाजपा कार्यकाल में तालाब बना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बना,

सामुदायिक भवन बना, सड़कें बनी, व्यवस्थाएं बनी लेकिन कांग्रेस राज में एक ईंट भी विकास की जुड़ नहीं पाई। श्री पाण्डेय ने कहा कि आप सभी इन बहरूपियों को पहचानिये इन लोगों ने पट्टा देने का वादा किया था लेकिन सट्टा और पट्टा सब जगह फैला दिया।

पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पहले भिलाई का नाम पूरे प्रदेश और देशभर में सम्मान से लिया जात था लेकिन आज इसकी पहचान अपराध के गढ़ के रूप में हो गई है। जहां महादेव के नाम पर सट्टा चलाया जा रहा है। भाजपा सरकार के15 सालों में पूरे प्रदेश में विकास हुआ, आईआईटी जैसा विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान भिलाई में खुला। उन्होंने कहा कि मैं छावनी में आप सभी का आशीर्वाद लेने आया हूं आप लोग प्रेमप्रकाश पाण्डेय को जिताओ और भिलाई सहित पूरे प्रदेश में कमल खिलाओ। भाजपा की सरकार बनते ही एक बार फिर विकास होगा फिर से आगे बढ़ेगा हमारा छत्तीसगढ़।

आज भी जनता को हम पर भरोसा

डॉ. रमन सिंह ने कहा कि हमने 15 वर्षों तक प्रदेश में काम किया आज भी लोग हमें चाउर वाले बाबा, पाण्डेय जी को पानी वाले बाबा कहते हैं। डॉ. रमन सिंह ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए घोषणा की है। उन्होंने विवाहित महिलाओं के लिए वार्षिक 12 हजार रूपए की आर्थिक सहायता देने का वादा किया है। वहीं किसान भाइयों को दो साल का बकाया बोनस 25 दिसंबर को देने का वादा किया है ये सब पूरा होगा ये मोदी जी की गारंटी है।

पहली बार भिलाईवासी इस समस्या से हुए त्रस्त

श्री पाण्डेय ने कहा कि मैं पूरे भिलाई में लोगों से मिल रहा हूं और हर जगह मुझे लोगों ने अपनी समस्या बताई। इतने सालों में पहली बार भिलाई में लोग नशा और अपराध से त्रस्त दिखाई दिये। लोगों के अंदर आज डर है कि उनके अपनों के साथ कब कहां क्या हो जाए।

रिफ्रेक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग में कर्म शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के रिफ्रेक्ट्री इंजीनियरिंग विभाग में विगत दिनों शिरोमणि पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (आरईडी) सुधीर कुमार ने पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया। सुरेन्द्र कुमार को पाली शिरोमणि पुरस्कार से नवाजा गया। बलराम ठाकुर और गिरीश कुमार अमृत को कर्म शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (आरईडी) सुधीर कुमार ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि विजेताओं ने अपने उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के आधार पर यह पुरस्कार प्राप्त किया हैं। उन्होंने सुरक्षित कार्यप्रणाली को अपनाकर आगे भी श्रेष्ठ प्रदर्षन करने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया। उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पुरस्कार विजेताओं बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट कार्य प्रदर्षन की सराहना की। उन्होंने इसी प्रकार अथक परिश्रम करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्षन कर अपने साथी कार्मिकों को भी प्रोत्साहित करने का आव्हान किया।

इस अवसर पर पुरस्कृत कार्मिकगणों ने भी अपने अनुभव को साझा किया। उन्होंने इस पुरस्कार से सम्मानित करने हेतु संयंत्र का आभार प्रकट किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्मिकों के बीच स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ कार्यक्षेत्र में नवीनता, संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों को बनाये रखते हुए कर्मठ कर्मचारियों को प्रेरित करना तथा उन्हें सम्मानित करना है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950